Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 210 | पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 | रायपुर, शुक्रवार 14 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

झीरम घाटी नरसंहार : 11 साल बाद आएगा न्यायिक फैसला, 101 गवाहों के दर्ज बयान

जगदलपुर। देश के सबसे बड़े राजनीतिक नरसंहारों में शामिल बहुचर्चित झीरम घाटी कांड में 11 साल बाद न्यायिक प्रक्रिया अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। जगदलपुर स्थित एनआईए के विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत में लगातार तीन दिनों तक चली मैराथन बहस के बाद बुधवार दोपहर करीब 2 बजे अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत इस ऐतिहासिक और संवेदनशील मामले में 31 अगस्त को अपना अंतिम निर्णय सुनाएगी। सोमवार से बुधवार तक चली इस अंतिम सुनवाई में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से कुल मिलाकर लगभग 12 घंटे तक जोरदार दलीलें पेश की गईं।

31 अगस्त को फैसला

अंतिम बहस की शुरुआत सोमवार दोपहर 3 बजे अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता दिनेश पाणिग्राही ने की। उन्होंने मंगलवार दोपहर 2 बजे तक मामले से जुड़े मजबूत साक्ष्यों और तथ्यों को अदालत के सामने रखा। इसके बाद बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद चौधरी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने लगभग 4 घंटे तक अदालत के समक्ष कानूनी बिंदुओं और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बचाव पक्ष का मजबूती से पक्ष रखा। बुधवार को दोनों पक्षों की अंतिम प्रत्युत्तर दलीलों को सुनने के बाद एनआईए के विशेष न्यायाधीश ने फैसला 31 अगस्त के लिए सुरक्षित कर लिया।

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़: उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़ रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है।

बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दर्शाता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागज़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही कारण है कि नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

हर घर तिरंगा अभियान : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की अगुवाई में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर में गुरुवार को महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा में लगभग एक हजार लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा यात्रा शासकीय कन्या हाई स्कूल, बिश्रामपुर से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक तक पहुंची और निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। करीब दो किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा थामे स्कूली छात्र-छात्राएं, नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी-कर्मचारी देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ते रहे।

यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विद्यार्थियों और नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता ने आयोजन को विशेष उत्साह और गरिमा प्रदान की।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन-बान-शान का प्रतीक है और हर नागरिक का दायित्व है कि वह तिरंगे के सम्मान तथा देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ बनाए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जनभागीदारी का व्यापक जनआंदोलन है।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और तिरंगे के सम्मान का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया। आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

SHORT NEWS

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी रायगढ़ में करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिला मुख्यालय में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे प्रात: 9 बजे शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में ध्वजारोहण करेंगे तथा मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के संदेश का वाचन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में रायगढ़ जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति और सांस्कृतिक विविधता पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। समारोह के दौरान उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

मनेन्द्रगढ़ में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 15 अगस्त को पुलिस ग्राउंड आमाखेरवा में सुबह 9 बजे मुख्य समारोह आयोजित होगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। कार्यक्रम में परेड निरीक्षण, मार्च पास्ट, मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन और स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से सुबह 8:45 बजे तक स्थल पर पहुंचने की अपील की है।

राजनांदगांव में ED का छापा, कारोबारी भंसाली के घर दबिशः यश-रोमिल नाहटा के ठिकानों पर भी जांच

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में श्वष्ठ की टीम ने गुरुवार सुबह 6 बजे 3 कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा। सत्यम विहार कॉलोनी में यश और रोमिल नाहटा के घर और कारोबारी ठिकाने पर जांच चल रही है। वहीं, कामठी लाइन में कारोबारी मनीष भंसाली के ठिकाने पर भी **ED** की टीम जांच कर रही है।

रायपुर से पहुंची श्वष्ठ की टीम दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है। ऑनलाइन वित्तीय देनदारियों की भी जांच की जा रही है। **ED** ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि छापेमारी किस मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। बता दें कि इससे पहले 29 अक्टूबर को जिला खनिज न्यास निधि घोटाले में **EOW** की टीम ने भी इन्हीं परिसरों पर छापेमारी की थी। रायपुर से करीब 8 गाड़ियों में अधिकारियों की टीमें राजनांदगांव पहुंची थीं। जहां संबंधित कारोबारियों के यहां दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले गए थे।

भारतनेट से छत्तीसगढ़ के गांवों को डिजिटल शक्ति मिलेगी : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली/रायपुर । रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को लोकसभा में छत्तीसगढ़ में भारतनेट परियोजना की प्रगति और ग्राम पंचायतों में डिजिटल कनेक्टिविटी को और प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण विषय उठाया।

केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने जानकारी दी कि, 30 जून 2026 तक छत्तीसगढ़ को भारतनेट फेज-I, फेज-II और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 2,757 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसमें फेज-I के अंतर्गत 560 करोड़ रुपये, फेज-II के अंतर्गत 2,065 करोड़ रुपये और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत 132 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में भारतनेट फेज-I और फेज-II के अंतर्गत कुल 9,681 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ा गया है। इनमें से 833 ग्राम पंचायतें संचालित स्थिति में हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान ने देश के गांवों को नई संभावनाओं से जोड़ा है।

भारतनेट जैसी योजना ग्रामीण भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन, कृषि और डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हजारों गांवों को OFC कनेक्टिविटी से जोड़ना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब आवश्यकता है कि जिन ग्राम पंचायतों तक आधारभूत कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है, वहां सेवा संचालन को और गति देकर आम नागरिकों तक इसका पूरा लाभ पहुंचाया जाए।

बस्तर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बस्तर अंचल में राष्ट्रभक्ति, शांति और विकास का संदेश लेकर 'बस्तर तिरंगा यात्रा 2026' का आयोजन किया जा रहा है। सुकमा जिले में होने वाली इस तिरंगा यात्रा में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप भी शामिल होंगे।

मोटरसाइकिलों के माध्यम से आयोजित यह यात्रा बस्तर के उन गांवों और क्षेत्रों तक पहुंचेगी, जो कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित थे और अब शांति, सुरक्षा और विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहे हैं। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

तिरंगा यात्रा चिंगावरम, सुकमा, एर्राबोर, मनीकोंटा, दोरनापाल, पोलमपल्ली, बुर्कापाल, मिनपा-टाड़मेटला, चिंतलनार, जगरगुंडा, सिलगेर और टेकलगुड़ेम होते हुए आवापल्ली और बीजापुर पहुंचेगी। बीजापुर में रात्रि विश्राम किया जाएगा।

यात्रा का उद्देश्य बस्तर की बदलती तस्वीर को देश-दुनिया के सामने लाना, युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना और नक्सल हिंसा में शहीद हुए वीर जवानों एवं नागरिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करना है। यात्रा के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि बस्तर अब विश्वास, शांति और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही तिरंगे और संविधान के प्रति सम्मान का संदेश भी दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा।

बस्तर तिरंगा यात्रा में महिला बाइकर्स की विशेष भागीदारी रहेगी। प्रत्येक जिले से बड़ी संख्या में बाइक राइडर शामिल होंगे। महिला बाइकर्स तिरंगा लेकर यात्रा का हिस्सा बनेंगी। यात्रा में स्थानीय युवा, स्वयंसेवी संगठन, महिला समूह, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, स्काउट-गाइड और जनप्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के तहत होगा पौधरोपण

यात्रा के दौरान प्रत्येक शहीद स्थल पर 'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के तहत जितने लोग शहीद हुए हैं, उतने ही पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा युवाओं, विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नशामुक्ति और साइबर सुरक्षा के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

रसनी में 22 हेक्टेयर शासकीय जमीन आवंटन को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने दी हाईवे जाम की चेतावनी

आरंग । ग्राम पंचायत रसनी में करीब 22 हेक्टेयर (लगभग 54 एकड़) शासकीय भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विभाग को आवंटित किए जाने की प्रशासनिक कवायद को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने इस प्रस्तावित आवंटन का विरोध करते हुए जमीन को गांव के सार्वजनिक एवं सामुदायिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखने की मांग की है। मामले को लेकर जिला पंचायत रायपुर सदस्य वतन अंगनाथ चंद्राकर ने आरंग थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर आवंटन प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि 15 अगस्त तक भूमि आवंटन की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई, तो ग्रामीण स्वतंत्रता दिवस समारोह का बहिष्कार करेंगे और 15 अगस्त की सुबह 9 बजे से नेशनल हाईवे पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम शुरू करेंगे। मामला तहसीलदार आरंग द्वारा ग्राम पंचायत रसनी से शासकीय भूमि के संबंध में मांगे गए अभिमत के बाद सामने आया। बताया गया है कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 15, 16, 17, 33, 36, 37, 38, 50, 54, 57, 58, 248 और 250 में दर्ज है। ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीणों ने ग्राम सभा और ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित कर उद्योग विभाग को भूमि दिए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि गांव के भविष्य के सार्वजनिक और सामुदायिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार भूमि का उपयोग बहुउद्देश्यीय खेल मैदान, धान खरीदी केंद्र, आबादी विस्तार के लिए जमीन, चारागाह तथा वृक्षारोपण जैसे कार्यों में किया जाना प्रस्तावित है। ऐसे में भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिए आवंटित किए जाने से ग्रामीणों के सामने भविष्य में सार्वजनिक जरूरतों के लिए जमीन की कमी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिला पंचायत सदस्य वतन अंगनाथ चंद्राकर ने अपने ज्ञापन में कहा है कि ग्रामीणों की आपत्ति और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के बावजूद शासकीय भूमि को उद्योग विभाग को आवंटित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने प्रशासन से ग्रामीणों की मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए आवंटन प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 15 अगस्त से पहले भूमि आवंटन पर रोक लगाने का आदेश जारी नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

ग्रामीणों ने 15 अगस्त की सुबह 9 बजे से नेशनल हाईवे पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम की चेतावनी दी है। साथ ही स्वतंत्रता दिवस समारोह का बहिष्कार करने की बात भी कही गई है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आंदोलन के दौरान यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है या कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी शासन और स्थानीय प्रशासन की होगी।

सैनिक भाइयों के लिए छात्राओं ने भेजे रक्षा सूत्र

जांजगीर-चांपा । देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित राजेंद्र कुमार सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला, अकलतरा की छात्राओं ने 'ऑपरेशन सिपाहीरक्षा सूत्र अभियान 2026' के अंतर्गत सैनिक भाइयों के लिए हस्तनिर्मित रक्षा सूत्र तैयार कर भेजे। अभियान के माध्यम से छात्राओं ने देश की सुरक्षा के लिए दिन-रात सीमाओं पर डटे वीर सैनिकों के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। छात्राओं का कहना था कि सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहकर राष्ट्रसेवा में समर्पित रहते हैं। ऐसे में रक्षा सूत्र भेजकर उनके प्रति भाईचारे, सम्मान और अपनत्व की भावना व्यक्त करना उनके लिए गर्व का अवसर है।कार्यक्रम में अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य अविनाश लाटा एवं शाला के प्राचार्य आर.के. विश्वकर्मा के करकमलों से छात्राओं द्वारा निर्मित रक्षा सूत्र पूर्व सैनिक महासभा के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राणा एवं पूर्व सैनिक सबल सिंह साहू को सौंपे गए, ताकि इन्हें देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक भाइयों तक प्रेषित किया जा सके।इस अवसर पर दिशा अकलतरा फाउंडेशन की बहनों द्वारा भी सैनिकों के लिए हस्तनिर्मित रक्षा सूत्र भेजे गए। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक आर.के. पाण्डेय, करण सिंह चंदेल, रवि वर्मा, आरक्षी केंद्र अकलतरा सहित शाला के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।छात्राओं की इस पहल की अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सौरभ सिंह, सचिव ईश्वर खंडेलिया, सहित ट्रस्ट के सदस्यों ने सराहना की। उन्होंने छात्राओं को इस राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत पहल के लिए बधाई देते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना हुई विशेष ट्रेन, श्रद्धालुओं में उत्साह

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं को सम्मान देते हुए संचालित रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या धाम से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इसी क्रम में आज राजनांदगांव से रामलला दर्शन विशेष ट्रेन श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर स्टेशन परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में योजना के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश के श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष ट्रेनों के माध्यम से समूह में तीर्थयात्रा की सुविधा मिलने से श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा अधिक सहज, व्यवस्थित और सुविधाजनक बन रही है।

अमृत सरोवरों के तट पर मनेगा स्वतंत्रता दिवस, जांजगीर-चांपा की ग्राम पंचायतों में होंगे विशेष आयोजन

जांजगीर-चांपा, । कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता दिवस 2026 को जिले में प्रकृति संरक्षण, जनसहभागिता और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ विशेष रूप से मनाया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार जांजगीर-चांपा जिले की ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवरों के तट पर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे। समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अमृत सरोवरों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन सरोवरों के तट पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों में जल संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही सतत आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

समारोह के दौरान ध्वजारोहण एवं तिरंगा यात्रा, अमृत सरोवर परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान, जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा देशभक्ति गीत, नुक्कड़ नाटक, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। अमृत सरोवर स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिवार के सदस्यों अथवा पुरस्कार विजेता/ग्राम पंचायत के विशिष्ट नागरिकों को आमंत्रित कर सम्मानित किए जाने की पहल भी की जाएगी।

ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रमों में अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अमृत सरोवरों को जल संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

हरेली त्योहार पर ग्राम पंचायत बघेली में हुआ धूमधाम से आयोजन, सरपंच की उपस्थिति में की गई पूजा

बालोद । छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कृषि पर्व हरेली के उपलक्ष्य में गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम पंचायत बघेली में मंगलवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच तथा ग्रामीणों की उपस्थिति में खेती-किसानी के औजारों की पूजा-अर्चना की गई।

सुबह से ही पंचायत भवन और स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ देखी गई। तथा सार्वजनिक स्थलों पर एक पेड़ मां के नाम पर वृहत वृक्षारोपण किया गया सरपंच रामेश्वर तेलासी, ग्रामीणों ने हल, नांगर, कुदाली सहित सभी कृषि उपकरणों का पूजन कर अच्छी फसल की कामना की। इस दौरान गौ माता की भी पूजा कर उन्हें हरा चारा खिलाया गया।सरपंच रामेश्वर तेलासी ने अपने संबोधन में कहा कि हरेली हमारे किसान भाईयों का सबसे बड़ा त्योहार है। यह दिन हमें प्रकृति और खेती से जुड़ने की प्रेरणा देता है। पंचायत द्वारा इस वर्ष वृक्षारोपण भी किया जाएगा ताकि हरियाली बनी रहे।

कार्यक्रम में पंच, वार्ड सदस्य, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान व बच्चे शामिल हुए। बच्चों ने पारंपरिक गेड़ी दौड़ और अन्य खेलों में हिस्सा लेकर त्योहार का आनंद लिया। अंत में सभी को खीर-पूड़ी का प्रसाद वितरित किया गया।

ग्रामवासियों ने हरेली पर्व को एकता और भाईचारे के प्रतीक के रूप में मनाया।

किसान पारंपरिक व्यंजनों के साथ किया औजारों का पूजा कर धूमधाम से मनाया हरेली त्यौहार

बालोद । छत्तीसगढ़ का पहला लोक पर्व हरेली तिहार पूरे प्रदेश के साथ-साथ बालोद जिला में भी अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया है।

सावन मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला छत्तीसगढ़ के प्रथम हरेली त्योहार पूरी तरह से प्रकृति, खेती-किसानी और माटी को समर्पित रहा, किसानों ने अपने जीवन के सबसे बड़े साथी यानी कृषि औजारों की विशेष पूजा-अर्चना की और घरों में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाकर खुशियां बांटीं।

कृषि औजारों की विशेष पूजाऔजारों की सफाई: किसानों ने सुबह अपने हल, नांगर, कुदाली, फावड़ा, गैंती और खुर्पी, हसिया जैसे सभी कृषि उपकरणों को धोकर साफ किया और औजारों पर चंदन, सिंदूर और अक्षत का तिलक लगाकर धूप-दीप जलाया और श्रीफल (नारियल) अर्पित कर किसानों ने धरती मां और अपने औजारों के प्रति अच्छी फसल के लिए आभार व्यक्त किया। पारंपरिक पकवानों का स्वादगुड़ का चीला हरेली के दिन छत्तीसगढ़ के हर घर में विशेष रूप से चावल के आटे और गुड़ से बना चीला रोटी तैयार किया जाता है, जिसका भोग औजारों को भी लगाया साथ ही मीठे गुलगुले भजिए और अन्य स्थानीय छत्तीसगढ़ी व्यंजन जैसे चौसेला और ठेठरी बनाने की भी समृद्ध परंपरा है।

गायों को खिलाया औषधीय लोंदी

हरेली त्योहार में सिर्फ इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पशुधन (गाय-बैलों) की सेहत की रक्षा के लिए जड़ी-बूटियों से युक्त आटे की लोंदी (लोई) बनाकर उन्हें खिलाई गई साथ ही हरेली का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चों और युवाओं द्वारा बांस से बनी %गेड़ी% पर चढ़कर पारंपरिक खेल, गांवों की गलियों में गेड़ी दौड़, नारियल फेंक और पारंपरिक लोकगीतों की गूंज से पूरा गांव माहौल उत्सवमय हो गया।

गांव के बैगा द्वारा घर के दरवाजे पर लगाया नीम के पत्ते

गांव के बैगा द्वारा गांव में बुरी शक्तियों और बीमारियों से सुरक्षा के लिए घरों के मुख्य द्वारों पर नीम की डालियां लगाने की सदियों पुरानी परंपरा का भी निर्वाह किया गया।

स्वीकृत निर्माण कार्य तत्काल प्रांरभ कराने तथा चलित कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के दिये निर्देश

राजनांदगांव । लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने निर्माण कार्यो की वार्डवार जानकारी ली। उन्होंने स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने योजना के कार्य को प्राथमिकता देकर समय सीमा में चालू कराने एवं चालू कार्य में तेजी लाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने तकनिकी अधिकारियो को निर्देशित किए। बैठक में आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में महापौर यादव ने बजट प्रावधानित कार्य, आयुर्वेदिक औषद्यालय एवं पुत्रीशाला आदि स्थानों में शॉपिंग काम्पलेक्स निर्माण के लिए सामान्य सभा में लिये गये निर्णय अनुसार डिस्मेंटल करने पेड काटने सहित अन्य कार्य के संबंध में जानकारी लिए। कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी कि पेड काटने तहसील कार्यालय में पत्र भेजा गया है। इसके अलावा डिस्मेंटल की प्रक्रिया की जानी है। महापौर ने कहा कि तोडने के लिए रूचि की अभिव्यक्ति जारी करे तथा अन्य कार्यवाही में गति लावे। उन्होंने स्टेशन रोड काम्पलेक्स निर्माण तथा बीएसएनएल आफिस के पास काम्पलेक्स निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी लेकर निविदा एवं अन्य प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने कहा। इसी प्रकार जी.ई.रोड तथा कस्तुरबा महिला मण्डल रोड शॉपिंग काम्पलेक्स जीर्णोद्धार कार्य के लिए सभी प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिशीघ्र व्यापारियो की बैठक लेकर राशि एवं निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी जावेगी।

महापौर यादव ने अधिकारियो से शहर में चल रहे निर्माण कार्यो की वार्डवार जानकारी लेकर अप्रारंभ कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने तथा चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सांसद, विधायक निधि एवं महापौर व पार्षद निधि के स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने कहा। उन्होंने अधोसंरचना मद एवं अधोसंरचना पर्यावरण मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराने कहा।

हरेली तिहार के पावन अवसर पर हमर सुंदर गांव फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण

भाटापारा। हरेली तिहार के पावन अवसर पर ग्राम दावनबोड़ में हमर सुंदर गाँव फाउंडेशन की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर अशोक, पीपल एवं बरगद जैसे पर्यावरण एवं प्रकृति के लिए महत्वपूर्ण पौधों का रोपण किया जाएगा। हमर सुंदर गाँव फाउंडेशन द्वारा विगत 5 वर्षों से जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों को यादगार बनाने के लिए पौधारोपण की पहल लगातार की जा रही है। संस्था का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल कर उन्हें पेड़ के रूप में विकसित करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए हराभरा एवं स्वच्छ पर्यावरण तैयार करना है।

संस्था ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों—जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य शुभ अवसरों—पर पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश वर्मा ने इसके अलावा रक्तदान शिविर , बच्चों को निशुल्क कक्षा , गाँव सफाई अभियान चलाया जाता है

वृक्षारोपण कार्यक्रम में अमृत लाल ध्रुव (सचिव) रामकुमार वर्मा (संरक्षक) नोहर सिंह ध्रुव, गोविन्द वर्मा, (उपाध्यक्ष) लखन वर्मा, गंगा प्रसाद वर्मा, तुलाराम वर्मा , टिकेश्वर वर्मा , राम स्वरूप वर्मा, योगेन्द्र वर्मा , नितेश वर्मा, मनोज वर्मा, मनोहर साहू , नीलकंठ वर्मा, प्रवीण वर्मा, नवीन वर्मा, सोनू सेन , छबि चक्रधारी, मुरारी साहू, जय प्रकाश वर्मा, लक्ष्मीकांत वर्मा, विष्णु प्रसाद वर्मा, विष्णु प्रसाद ध्रुव मनोज साहू, पंकज वर्मा , डुपेश वर्मा , अजय वर्मा , मालिक राम वर्मा, रमेश वर्मा , दानेश्वर वर्मा , सोनू वर्मा , लेखु राम ध्रुव, का विशेष सहयोग रहता है ।

मिनीमाता की पुण्यतिथि पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

बालोद । भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, शहर मंडल बालोद द्वारा छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद एवं महान समाजसेविका मिनीमाता जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मिनीमाता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मिनीमाता जी के सामाजिक न्याय, समानता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि मिनीमाता जी ने समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों और सम्मान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनका सामाजिक सरोकार एवं जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अमित चोपड़ा, महामंत्री नरेंद्र सोनवानी, उपाध्यक्ष कमलेश कुमार गौतम, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा शहर मंडल अध्यक्ष पिंटू सारथी, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रमिता यादव, भाजयुमो शहर महामंत्री कमल बजाज, पार्षद वार्ड क्रमांक 13 सुनीता मनहर, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, हिमांशी राजपूत (नेभवानी), भाविका जैसवानी, पुहुप राम साहू, घासूराम गंधर्व, नरेश आहूजा एवं यश राजपूत — सदस्य, जिला भाजपा सोशल मीडिया प्रकोष्ठ, बालोद एवं सोशल मीडिया प्रभारी, भारतीय जनता युवा मोर्चा, शहर मंडल बालोद सहित भाजपा एवं विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मिनीमाता जी अमर रहें के जयघोष के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों एवं सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मिनीमाता की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद

कोरबा । मिनीमाता कन्या महाविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ की महान समाजसेविका एवं महिला शिक्षा और सामाजिक न्याय की प्रबल समर्थक मिनीमाता की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में किया गया। अतिथियों ने मिनीमाता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सामाजिक योगदान को याद किया। मुख्य अतिथि विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि मिनीमाता केवल राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की सशक्त आवाज थीं। उन्होंने दलितों, महिलाओं, बालिकाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि मिनीमाता ने समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन तक पहुंचाई। महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्यामलाल कंवर, कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश कुमार राठौर, ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीजामगांव के नवीन आईटीआई में शुरू हुआ 'मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल' ट्रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नवीन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), जीजामगांव में सत्र 2026-27 से पहली बार मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड का प्रथम बैच प्रारंभ किया गया है। यह इस संस्था का भी पहला प्रशिक्षण सत्र होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलावों को देखते हुए यह ट्रेड युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से बेहद अहम साबित होगा।

दो वर्षीय पाठ्यक्रम और आधुनिक प्रशिक्षण

मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक के साथ-साथ बैटरी प्रबंधन प्रणाली (ब्रूस्), मोटर कंट्रोल, चार्जिंग सिस्टम, वाहन सर्विसिंग और फॉल्ट डायग्नोसिस जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक एवं उद्योग-आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान में यह ट्रेड छत्तीसगढ़ के चुनिंदा 5 शासकीय आईटीआई संस्थानों में ही संचालित है, जिससे जीजामगांव आईटीआई में इसकी शुरुआत जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ई-व्हीकल के बढ़ते चलन से अधिकृत सर्विस सेंटरों, ई-व्हीकल निर्माण कंपनियों, चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी से संबंधित सेवा इकाइयों में प्रशिक्षित तकनीशियनों की मांग तेजी से बढ़ेगी। इसके अलावा, प्रशिक्षित युवा खुद का सर्विस सेंटर या तकनीकी सेवा शुरू कर स्वरोजगार भी स्थापित कर सकेंगे।

जीजामगांव क्षेत्र में फॉरेस्ट पार्क, फूड पार्क सहित विभिन्न विकास एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने नवीन आईटीआई भवन के लिए चिह्नित भूमि का निरीक्षण भी किया था। जिला धमतरी की नोडल संस्था शासकीय आईटीआई कुरूद के प्राचार्य श्री योगेश देवांगन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए इस नवीन ट्रेड में प्रवेश लें।

अनियमितता पाये जाने पर एक कृषि केन्द्र की 825 बोरी उर्वरक राजसात व लाइसेंस निरस्त

दुर्ग । खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार कृषि विभाग के जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा सतत निगरानी की जा रही है।

निरीक्षण दल एवं उर्वरक निरीक्षक द्वारा 13 जून 2026 और 16 जून 2026 को मैसर्स विद्या कृषि केन्द्र बोरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान दुकान में कई अनियमितताओं जैसे उर्वरकों के दर एवं पॉस अनुसार स्कंध का सही उल्लेख न होना, कैश/क्रेडिट मेमो जारी न करना, बिना अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) में प्रविष्ट उर्वरक का भण्डारण, जांच में सहयोग न करना, भौतिक स्टॉक व पॉस स्टॉक में अंतर तथा जांच दल की कार्यवाही में बाधा पहुंचाना पाया गया।

बोरी क्षेत्र में 15 दुकानदारों पर हुई चालानी कार्रवाई, 2150 रु. का जुर्माना भी वसूला

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बोरी थाना क्षेत्र में कोटपा अधिनियम 2003 के तहत बड़ी चालानी कार्रवाई की गई है।

उक्त कार्रवाई कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार विगत 11 अगस्त 2026 को संचालित की गई। कार्रवाई के दौरान विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी कानूनी प्रावधानों का कड़ाई से निरीक्षण किया गया। इसके तहत शासकीय हिंदी मीडियम पीएम श्री स्कूल बोरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पथरिया तथा शासकीय हाई स्कूल अंजोरा ढाबा (तहसील धमधा) के समीप तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत कार्रवाई की गई। टीम ने कुल 15 दुकानदारों पर चालान बनाते हुए 2,150 रुपये का अर्थदंड अधोरोपित किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचने तथा सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन पर लगे प्रतिबंध की जानकारी दी।

साथ ही तंबाकू सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले जानलेवा दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए तंबाकू-मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग की अपील की। इस विशेष कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन से सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झड़ेकार, औषधि निरीक्षक जागेश्वरी साहू तथा पुलिस विभाग से आरक्षक मोहम्मद समीम, जितेंद्र धीवर और प्रशांत साहू उपस्थित रहे।

लाइवलीहुड कॉलेज 19 भुंजिया युवतियों को वितरित की सिलाई मशीन

गरियाबंद । लाइवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में 10 अगस्त 2026 को **Sewing Machine Operator** कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की 19 भुंजिया युवतियों को सिलाई मशीन वितरित की गई। मशीन वितरण के माध्यम से युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भुंजिया विकास अभिकरण गरियाबंद की अध्यक्ष रेवती शत्रुघन नेताम उपस्थित रहीं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ भुंजिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष ग्वाल सिंह सोरी, जिला अध्यक्ष देवलाल मरकाम, संतोष कुमार मरकाम, भुंजिया विकास अभिकरण गरियाबंद के सदस्य रामाधीन मरकाम, दुखराम मांझी, समाज प्रमुख दशरथ राम नेताम एवं आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त लोकेश्वर पटेल उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा 19 भुंजिया युवतियों को सिलाई मशीन प्रदान कर उन्हें प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए स्वरोजगार एवं आजीविका से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही सिलाई कार्य के माध्यम से आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

विगत वर्षों की अपेक्षा जशपुर वन मंडल में हाथियों से जनहानि में कमी

जशपुरनगर। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वनमण्डल अंतर्गत वन परिक्षेत्र बगीचा के परिसर महादेवडांड के वन कक्ष क्रमांक आर. एफ-1259 में 09.08.2026 को लगभग 16 जंगली हाथियों का दल विवरण कर रहा था। हाथियों के विचरण की सूचना प्राप्त होते हीई वन विभाग द्वारा तत्काल सक्रियता बरतते हुए प्रभावित क्षेत्रों में हाथी गश्ती दल एवं आर.आर.टी. को तैनात कर लगातार निगरानी एवं गश्त प्रारंभ की गई। वन विभाग की टीम द्वारा प्रभावित ग्राम घोघर, सरईपानी, घुघरी, रेंगोला, महुआडीह एवं बोड़ापहरी में लगातार गश्त की गई। साथ ही ग्रामीणों को जंगली हाथियों के विचरण की जानकारी देते हुए माइक एवं सायरन के माध्यम से सतर्क किया जाता रहा तथा ग्रामीणों से हाथियों के संभावित आवागमन वाले क्षेत्रों में नहीं जाने एवं सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक : कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग । दुर्ग विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आज आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने तिरंगा यात्रा में सहभागी बनकर राष्ट्रभक्ति के इस उत्सव का हिस्सा बने।

तिरंगा यात्रा के दौरान हाथों में लहराता तिरंगा, हृदय में भारत माता के प्रति सम्मान और कदमों में राष्ट्रसेवा का संकल्प नजर आया। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना रहा और भारत माता के जयकारों से माहौल गुंजायमान रहा।

तिरंगा यात्रा में युवाओं ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति के जयकारों के साथ तिरंगे के प्रति अपना सम्मान और देश के प्रति समर्पण व्यक्त किये। तिरंगा यात्रा ने देश की एकता, अखंडता और गौरव का जीवंत संदेश दिया।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। आज हमारा दायित्व है कि हम उनके बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। मंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमें तिरंगे की आन-बान-शान को सर्वोच्च रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को और मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य केवल राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देशसेवा की भावना को और मजबूत करना है। आज युवाओं में जिस तरह राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखने को मिला, वह विकसित और सशक्त भारत के निर्माण की मजबूत नींव है।

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान दें और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने में सहभागी बनें।

तिरंगा फहराने के बाद होगी प्रभात फेरी

अम्बिकापुर । जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत निर्मित एवं विकसित किए गए अमृत सरोवरों में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का पर्व उल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले के सभी अमृत सरोवरों में राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ विभिन्न जन-जागरूकता एवं सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों को केवल जल संरक्षण के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विशेष पहल की जाएगी। आयोजन में ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, अमृत सरोवर से जुड़े हितग्राही, युवा, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल होंगे।

ड्रोन दीदियों ने आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन की पूजा कर चढ़ाया गुड़-चीला और नारियल का भोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति और आधुनिक कृषि तकनीक का अनूठा संगम इस बार हरेली तिहार पर बालोद जिले में देखने को मिला। सावन अमावस्या के पावन अवसर पर जहां किसानों ने अपनी परंपरा के अनुरूप हल, नांगर, कुदाली और फावड़े जैसे कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना की, वहीं जिले की ड्रोन दीदियों ने आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन का धूप-दीप से पूजन कर उस पर पारंपरिक गुड़-चीला और नारियल का भोग अर्पित किया। इस अनूठे आयोजन ने हरेली की सदियों पुरानी परंपरा को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ते हुए बदलते छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर प्रस्तुत की।

शासन की ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षित बालोद जिले की श्रीमती भुनेश्वरी साहू, श्रीमती चित्ररेखा साहू और सुश्री रूचि साहू ने हरेली के अवसर पर ड्रोन की पूजा कर कृषि में तकनीकी बदलाव को नई पहचान दी। ड्रोन दीदी भुनेश्वरी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति कृषि औजारों के सम्मान की परंपरा सिखाती है। आज के दौर में ड्रोन भी किसानों का आधुनिक साथी बन चुका है, जो फसलों में नैनो उर्वरक और कृषि दवाइयों का छिड़काव कम समय में कर सकता है।

ड्रोन दीदी चित्ररेखा साहू ने बताया कि ड्रोन तकनीक ने कृषि कार्यों को अधिक आसान और प्रभावी बनाया है। हरेली के अवसर पर उन्होंने जिले के अधिक से अधिक किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का संकल्प लिया।

बिहान योजना से सशक्त हुई महिलाएं, बैंक सखी बन संज्योति चौहान ने बनाई आत्मनिर्भरता की मिसाल

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में बिहान योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आजीविका के नए अवसर विकसित कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

कांसाबेल विकासखंड के ग्राम टांगरगाँव की संज्योति चौहान ने बैंक सखी के रूप में कार्य कर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। वे चांदनी स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली।

चौहान वर्ष 2019 से ग्रामीण बैंक से संबद्ध बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। वे किराना दुकान के साथ-साथ बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान कर रही हैं। उनके द्वारा प्रतिमाह लगभग 8 से 9 लाख रुपये तक का लेन-देन किया जाता है, जिससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त वे डिजिटल भुगतान, बीमा एवं अन्य वित्तीय सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं।

उन्होंने बताया कि बैंक सखी के रूप में कार्य प्रारंभ करने के लिए उन्होंने स्व सहायता समूह के माध्यम से 68 हजार रुपये का ऋण लिया, जिससे उन्हें यह कार्य शुरू करने में सहायता मिली। आज वे आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हैं।

संज्योति चौहान की यह सफलता दर्शाती है कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और समाज में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मुद्रा लोन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली चार बिहान कैडर सम्मानित, सफलता की कहानी बनीं प्रेरणा

जशपुरनगर। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जशपुर जिले में नई गति मिल रही है। मुद्रा लोन प्रकरणों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली चार बिहान एफएलसीआरपी दीदियों को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन दीदियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल उनके विकासखंड का गौरव बढ़ाया, बल्कि जिले की अन्य कैडरों के लिए भी बेहतर प्रदर्शन की नई प्रेरणा दी।

सम्मानित होने वाली दीदियों में मनोरा विकासखंड की सरिता बाई एवं सलेहा खातून, जशपुर विकासखंड की शोभा टोप्पो तथा बगीचा विकासखंड की विजयी गंगा शामिल हैं। लक्ष्य के विरुद्ध उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सरिता बाई ने निर्धारित 20 के विरुद्ध 34 प्रकरण, सलेहा खातून ने 20 के विरुद्ध 26 प्रकरण, शोभा टोप्पो ने 20 के विरुद्ध 27 प्रकरण तथा विजयी गंगा ने 25 के विरुद्ध 25 प्रकरण में सफलता हासिल की।

'लगातार प्रयास ही सफलता की कुंजी' :

सम्मान समारोह के दौरान इन दीदियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बैंक अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय, हितग्राहियों को निरंतर मार्गदर्शन, दस्तावेजी प्रक्रिया में सहयोग तथा लगातार फॉलो-अप उनके कार्य की सफलता के प्रमुख आधार रहे। उन्होंने अन्य एफएलसीआरपी दीदियों से भी लक्ष्य को केवल आंकड़ा न मानकर प्रत्येक महिला को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से कार्य करने का आह्वान किया।

इन सफल दीदियों की कहानी ने समीक्षा बैठक में मौजूद अन्य कैडरों में भी उत्साह का संचार किया। अन्य एफएलसीआरपी दीदियों ने आगामी समीक्षा बैठक तक अधिक से अधिक मुद्रा लोन प्रकरणों को सेंक्शन एवं स्वीकृत कराने का संकल्प लिया।

एक लोन, एक दुकान और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत :

मनोरा विकासखंड के पंडरसीली ग्राम पंचायत के किनदरापाठ की पहाड़ी कोरवा समुदाय की दीदी सरिता बाई, पति तुलसी राम, इस बदलाव की प्रेरक मिसाल हैं। उन्होंने मुद्रा लोन के माध्यम से ?1 लाख का ऋण प्राप्त कर किराना दुकान स्थापित की, जिससे न केवल उनके परिवार की आय का नया स्रोत तैयार हुआ, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधि को भी बढ़ावा मिला।

सरिता बाई का यह प्रयास बताता है कि उचित मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ ग्रामीण महिलाएं भी अपने सपनों को उद्यम में बदल सकती हैं।

मुद्रा लोन के माध्यम से जशपुर जिले में बड़ी संख्या में बिहान से जुड़ी महिलाएं किराना दुकान, बकरी पालन, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं अन्य छोटे उद्यमों को अपना रही हैं। इन उद्यमों से महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है और अनेक महिलाएं लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामीण महिलाओं को व्यक्तिगत उद्यम स्थापित करने के लिए मुद्रा लोन एक महत्वपूर्ण वित्तीय माध्यम है।

बलिदानियों की स्मृति में स्मारक बनाना ठीक है लेकिन

हमारे देश व राज्यों में बलिदानियों की स्मृति को हमेशा बनाए रखने के लिए चौक-चौराहे उनके नाम से रखे जाते हैं,उनकी मूर्ति स्थापित की जाती है,उनकी पुण्यतिथि व जयंती पर कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके देश के लिए किए गए योगदान को याद किया जाता है।यह हमारी परंपरा है कि हमारे लिए किसी ने भी किसी तरह का बलिदान किया है तो उसके बलिदान को याद किया जाता है, नमन किया जाता है। ताकि हमारे बाद की आने वाली पीढ़ियां भी उनके बलिदान को जाने और कृतज्ञ रहे इसके लिए स्मारक बनाए जाते हैं, प्रतिमा स्थापित की जाती है।यह एक तरह से राज्य व देश की स्मृति में उनको बनाए रखने का प्रयास होता है।कोई भी मुश्किल काम होता है तो उस काम को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को बलिदान देना पड़ता है,जब काम पूरा हो जाता है तो हर उस आदमी को याद किया जाता है जिसने उस काम को पूरा करने के लिए बलिदान दिया होता है।

बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास दो तीन दशक पहले तक सपना था क्योंकि यहां पर नक्सलियों का सामानांतर साम्राज्य था, जहां उनका शासन चलता था,उस क्षेत्र में उनका आंतक रहता था,उनके खिलाफ किसी को बोलने की हिम्मत नहीं होती थी।विरोध करने वालों को मार दिया जाता था।कोई सोचता नहीं था कि कभी बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास का दौर आएगा।राज्य में साय सरकार आने के बाद नक्सलियों का सफाया कर बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के दौर के सपने को पूरा करने का फैसला किया गया। तारीख तय की गई कि इस तारीख तक बस्तर से नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा और एक साल के भीतर नक्सलियों का सफाया कर दिया गया।इस दौरान बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के लिए बड़ी संख्या में आम लोगों,सुरक्षा बल के जवानों ने बलिदान दिया।अब जब बस्तर में शांति हो गई है तो अब वक्त आया है कि बस्तर की शांति,सुरक्षा व विकास के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया है, उनकी याद के हमेशा के लिए बनाए रखने चौक चौराहे उनके नाम पर रखने व 109 स्मारक बनाने का फैसला साय सरकार ने किया है तो इस फैसले का सभी स्वागत करेंगे।15 अगस्त को सीएम साय बस्तर संभाग के 500 से अधिक स्कूलों,चौराहों और सामुदायिक भवनों के नामकरण अमर बलिदानियों के नाम पर करने की घोषणा करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बस्तर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा बलिदानी स्थलों से होकर गुजरेगी तो वहां से मिट्टी एकत्र किया जाएगा और उस मिट्टी का उपयोग राजधानी रायपुर में बनने वाले शहीद स्मारक व संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा।यही नहीं माओवादी हिंसा में प्राण न्यौछावर करने वाले जवानों व आम नागरिकों की याद में राज्य में 109 स्मारक बनाए जाएंगे,खास बात यह होगी कि इस डिजिटल युग में हर स्मारक पर एक क्यूआर कोड़ होगा और उसे स्कैन करने पर आम लोगों को शहीदों का शौर्यगाथा व घटना की पूरी जानकारी मिल जाएगी।यह तो अच्छी बात है कि बस्तर की शांति,सुरक्षा व विकास के लिए बलिदान देने वालों के लिए साय सरकार चौक चौराहों के नाम बलिदानियों के नाम पर रखने जा रही है,स्मारक बनाने जा रही है।ऐसे वक्त में इस बात खास ख्याल रखा जाना चाहिए कि ऐसे चौक-चौराहों व स्मारकों की देखरेख में खर्च होने वाला पैसा कौन देगा। उसके लिए पहले से फंड की व्यवस्था की जानी चाहिए क्योंकि उत्साह में तो एक सरकार चौक चौराहों के नाम बलिदानियों के नाम पर रख देती, स्मारक बनवा देती है लेकिन उसके बाद साल भर कोई उनकी तरफ ध्यान नहीं देता है,प्रतिमाएं धुल सनी रहती है,चौक चौराहों का बुरा हाल रहता है।

प्रदेश के कई चौक चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं लगीं है किसी की भी सरकार हो,उनके रखरखाव की और कोई खास ध्यान नहीं दिया जाता है। बड़ी मुश्किल से साल मे एक या दो बार ही उनकी धुलाई पोछाई होती है।साय सरकार बहुत जगह स्मारक बनवाने जा रही है तो उसे पहले से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया है,उनकी पूछपरख तक बाद में न हो और उनका हाल भी दूसरे स्मारकों,चौक चौराहों की तरह हो जाए। कांग्रेस ने बस्तर में झीरम घाटी के शहीदों का स्मारक बनवाया क्या हुआ,कांग्रेस ही अब उस स्मारक की ठीक से देखभाल नहीं कर पाती है।बाद में कोई दूसरी सरकार आ जाए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि शहीद स्मारकों की देखभाल में कोई कमी न हो। क्योंकि एक सरकार जाती है तो दूसरी सरकार में उसके बनाए स्मारकों की देखरेख बंद हो जाती है यह सोचकर कि इसे हमने तो नहीं बनवाया था।शहीद व बलिदानी किसी राजनीतिक दल के नहीं होते लेकिन अफसोस होता जब हर राजनीतिक के अलग अलग महापुरुष होते हैं और जिस राजनीतिक दल की सरकार होती है वह अपने महापुरुष की जन्मदिन व पुण्यतिथि जोर शोर से मनाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक राजनीतिक दल के लिए कोई महापुरुष होता है तो वह दूसरे दल के लोगों के लिए महापुरुष नहीं होता है।देश के महापुरुषों की कदर सभी राजनीतिक दलों के लोगों का करनी चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है।

महान लीडर उपलब्धि हासिल करने से पहले ही प्रेरित करते हैं

अशोक सिर्फ 21 साल के थे। उन दिनों नौकरियां बहुत कम थीं। उनकी बेचैनी उन्हें हमेशा आर्म्ड फोर्सेज में अवसर तलाशने को प्रेरित करती थी। फिर एक मौका आया। वैसा नहीं, जैसा उन्होंने सोचा था लेकिन उस राह पर कदम रखने के काफी करीब था। यह सीआरपीएफ में एक पद था।

उन्होंने किस्मत आजमाने का फैसला किया। वहां पहले से ही सैकड़ों लोग थे। उत्सुक और उम्मीद से भरे हुए। जब उन्हें बताया गया कि रेजिमेंट को मुश्किल और दूर-दराज के इलाकों में तैनात किया जाएगा तो आधे-से ज्यादा लोग चले गए। फिर बहुत-से इसके बाद हुए टेस्ट राउंड्स में बाहर हो गए। अशोक टिके रहे, क्योंकि उनमें कुछ हासिल करने की जिद थी।

उस थकाऊ दिन के खत्म होने से पहले मेजर केके चटर्जी की नजर भूखे और थके हुए अशोक पर पड़ी। मेजर चटर्जी आर्मी के बाद अपनी दूसरी सर्विस कर रहे थे। वे अशोक को ऑफिसर्स मेस ले गए। उन्हें भरपेट खाना खिलाया और फिर कुछ ऐसा किया, जिसकी उम्मीद नहीं थी।

मेजर ने अशोक को अपनी पत्नी से मिलवाया। किसी उम्मीदवार या रिक्रूट के तौर पर नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्ति के रूप में जो पहले ही अपना योगदान दे चुका हो। मेजर ने अशोक के बारे में इतनी उदार बातें कीं कि अभी सिलेक्शन का इंतजार कर रहे अशोक को खुद भी नहीं पता था कि उनमें इतनी खूबियां हैं।

पत्नी ने मेजर की बातें पूरे ध्यान से सुनीं। उनकी आंखों में उत्सुकता थी और पति के किसी दबाव के बिना उनके होंठों से शब्द निकले जा रहे थे। उन शब्दों ने अशोक की सारी थकान मिटा दी। ऐसा होता भी क्यों नहीं? अच्छे कपड़ों में सजी-धजी, शालीन महिला के शब्द दुबले-पतले अशोक के गले में किसी माला के समान थे।

उन्हें लगा कि जॉइनिंग से पहले ही उन्होंने अपनी एक जगह बना ली है। अशोक को महसूस हुआ कि उन्हें उनके भावी पद या भूमिका के लिए नहीं, बल्कि उन प्रयासों के लिए पहचाना जा रहा है, जो वे यहां तक पहुंचने के लिए कर चुके थे। आधिकारिक तौर पर ड्यूटी शुरू करने से पहले ही एक कमांडिंग ऑफिसर ने उन पर भरोसा किया, उनसे गर्व के साथ बात की और उनकी पत्नी ने भी प्रशंसा की।

यह अशोक चौकुलकर का पहला सबक था, जो इतने वर्षों में स्कूल और कॉलेज की कोई किताब नहीं सिखा पाई- किसी युवा व्यक्ति द्वारा हासिल की गई उपलब्धि को जल्दी स्वीकारना, बिना इंतजार किए उसे प्रोत्साहित करना और लीडरशिप को महज आदेश देने के काम से आगे लेकर जाना।

अपनी पहली किताब 'कॉर्न ऑन द कॉब एंड स्टोरीज-पोर्ट्रेट्स ऑफ लाइफ' में इस अनुभव को अशोक अपने ही शब्दों में बताते हैं कि मेजर ने उनसे अपने नियुक्ति पत्र का मसौदा खुद ही बनाने को कहा, जिसे वायरलेस रेडियो के जरिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाना था।

यह उनका दूसरा सबक था कि जिम्मेदारी सुविधा का इंतजार नहीं करती। उस दिन नियुक्ति पत्र मिलने से पहले ही अशोक ने सीखा कि जब वे लोगों का चयन करेंगे तो उन्हें कैसे प्रस्ताव तैयार करना सीखना होगा। वह सुबह 7 बजे घर से निकले थे और रात 9 बजे के बाद लौटे, लेकिन एक अंतर था- उनके हाथ में नियुक्ति पत्र था।

उनकी किताब आपको आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ले जाती है, जहां उन्हें पहले दिन की ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करना था। वहां से कैसे उनकी बटालियन, 36 वाहनों के काफिले से मध्य प्रदेश के नीमच गई। और फिर अचानक आधी रात में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भेज दी गई, जहां उन्हें पुलिस विद्रोह से निपटने में मदद करना था।

उन्हें कई दिनों वहां एक पहाड़ी पर चंद बड़े पेड़ों के नीचे रहना पड़ा। इस किताब ने मुझे जो सिखाया, वह सिर्फ कहानियां ही नहीं हैं। इसके हर चैप्टर में ऐसा सबक है, जिसके बारे में आज के ज्यादातर बच्चे और कॉर्पोरेट लीडर्स तक नहीं जानते। पैसे की बहुतायत के कारण हमारे बच्चे सबसे बेहतर सुविधाओं की मांग करने लगे हैं और हमारे लीडर हमारी युवा पीढ़ी की सबसे बेहतर खूबियों को ठीक से पहचान नहीं पा रहे हैं।

फंडा यह है कि जब आगे-आगे प्रोत्साहन चलता है तो लोग दिल से उसका अनुसरण करते हैं। वे सिर्फ सैलरी के लिए काम नहीं करते बल्कि उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि किसी ने उनमें गर्व का बीज बो दिया होता है।

मन जो कहता है वो पढ़िए, पर शब्दों की पहली सीढ़ियां तो चढ़िए

कहलाती थी वो लाइब्रेरी, पर होती थी एक छोटी-सी दुकान, जिसमें कॉमिक्सों के अनगिनत अंकों का ढेर हमारे लिए किसी खजाने से कम नहीं था। और उस ढेर में से अपनी पसंद की कॉमिक्स ढूंढने का एक अलग ही मजा होता था। जिनकी आंखों की रफ्तार तेज होती, उनके हाथों में बार-बार पढ़े हुए अंक आते और वो कहते- भैया, कुछ नया दो ना। भैया के साथ सेटिंग हो तो वो आपके लिए लेटेस्ट कॉमिक्स छुपाकर भी रखते, मगर इस हिदायत के साथ कि कल जरूर लौटा देना!

एक बड़े से रजिस्टर में आपके नाम का एक अकाउंट होता था, जिसमें हिसाब नोट किया जाता- शायद 25 पैसे के रेट से एक कॉमिक्स मिलती थी। कुछ साल बाद महंगाई के कारण दाम 50 पैसे हो गया। आधी कॉमिक्स तो कई बार वहां खड़े-खड़े ही हम चाट जाते। खैर, दोबारा भी पढ़ने में हमें कोई आपत्ति नहीं थी।

जिस तरह चाय-सुट्टे की दुकान पर महीने के अंत में अकाउंट सेटल करना पड़ता था, इसी तरह लाइब्रेरी में होता था। कई बार मम्मी से थोड़े एक्स्ट्रा पैसे मांगने पड़ते, क्योंकि ऐसा फिक्स्ड बजट तो था नहीं। मम्मी-पापा की बस एक ही शिकायत थी- खूब पढ़ो, मगर असली किताबें पढ़ो। कॉमिक्सों में क्या रखा है?

सबसे ज्यादा डिमांड वाली कॉमिक्स थीं चाचा चौधरी, बेला-बहादुर, फैंटम और आर्चीज की। मेरा पसंदीदा पात्र था मैंड्रेक द मैजिशियन, लेकिन सच कहूं तो जिन कॉमिक्स ने मेरा दिल पूरी तरह से जीत लिया था उनका नाम था अमर चित्र कथा।

मेरे पिताजी के दोस्त लिंकन अंकल इंडिया बुक हाउस में नौकरी करते थे। वो जब आते तो साथ में 1-2 अमर चित्र कथा लाते। भारत के इतिहास की जितनी जानकारी स्कूलों में दी गई, उससे दोगुनी मैंने अमर चित्र कथा से पाई हैं। अशोक हो या राणा प्रताप, उसमें छपी हुई छवि मन में आज भी हूबहू मौजूद है।

पंचतंत्र, पौराणिक कथाएं, यहां तक कि कालिदास के नाटक मृच्छकटिकम् का आभास भी हमें अमर चित्र कथा ने ही कराया। अकबर का जिक्र तो सिलेबस में था मगर बीरबल की सूझ-बूझ कैसे पता चलती? झांसी की रानी से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस तक सचमुच उनकी प्रकाशित हर चित्रकथा अमर थी।

सोचती हूं, इस स्टाइल से अगर बच्चों को पढ़ाया जाए, तो उनको इतिहास से प्यार हो सकता है। क्या जरूरी है कि हमारी सिलेबस की पुस्तकें इतनी बोरिंग हों? शायद टेक्स्ट-बुक से तंग आजकल की युवा पीढ़ी को किताबों से ही चिढ़ हो गई है। उनके मन में पढ़ने का मतलब हो गया है रट्टा और रिवीजन।

पढ़ो एग्जाम के लिए। कॉम्पीटिशन के लिए। पढ़ना माने दिमाग का दही। कंधों पर एक भारी बस्ते का बोझ। करियर बनाने का बस एक साधन। सिर्फ आनंद के लिए भी कोई पढ़ता है? आज के कई बच्चों के लिए यह किसी अजूबे से कम नहीं।

हां, आज के दौर में मोबाइल पर आपको बहुत सारा मनोरंजन उपलब्ध है। लेकिन पढ़ने से अरुचि का कारण सिर्फ वो नहीं। कॉमिक्स का महत्व यह है कि उसे पढ़ना आसान है। कहानी जब सिर्फ अक्षरों नहीं, चित्रों के साथ भी वर्णित होती है, तो ज्यादा रोमांचक होती है।

इसलिए हमें चाहिए बहुत सारे नए आर्टिस्ट, लेखक और प्रकाशक, जो साथ जुड़कर नया ट्रेंड शुरू करें। आज की स्टाइल में, आज की भाषा में हमारे देश की पुरानी एवं नई कहानियों को फिर से कॉमिक्स का रूप मिले। इसमें एआई की भी मदद ली जा सकती है।

स्क्रीन्स के आक्रमण में कब वो छोटी-सी दुकानें बंद हो गईं, पता ही नहीं चला। उन्हें हमें वापस लाना होगा। हर मोहल्ले में हो एक लाइब्रेरी, जहां बच्चे और बड़े कॉमिक्सों के ढेर में से अपने मनपसंद अंक चुन सकें। जहां कुछ देर को मोबाइल से हमारा ध्यान हट जाए। जहां हम पन्नों को उलटने का आनंद पाएं!

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे पास कहने को बहुत कुछ है, पर दुनिया को उन्हें सुनाएं तो

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल 44 सम्पत्तियां हैं और 69 साइट अस्थाई सूची में हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन 3600 से अधिक केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं तथा राज्य पुरातत्व विभागों और धार्मिक ट्रस्टों के तहत भी बहुत-से स्थल हैं। इनमें से कई जगहों पर पर्यटक शानदार वास्तुकला या धार्मिक स्थलों को देख तो लेते हैं, लेकिन इनके बारे में उन्हें कम ही जानकारी मिल पाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस स्थल की कहानी दूरदराज के किसी म्यूजियम या रिजर्व कलेक्शन में रखी होती है।

हैरिटेज मैनेजमेंट पर नीति आयोग की एक रिपोर्ट में राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, धोलावीरा, शिवसागर और आदिचनल्लूर जैसे प्रमुख स्थलों पर साइट म्यूजियमों का नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। हम्पी और सारनाथ में फ्लैगशिप परियोजनाओं की सिफारिश की गई है। संसदीय समितियों ने भी म्यूजियम और पुरातात्विक स्थलों पर इंटिग्रेटेड विजिटर सेंटर बनाने, बेहतर सुविधाएं देने और तकनीक की मदद से कहानी कहने की सुविधा देने की हिमायत की है।

हम सुनिश्चित करें कि हर विश्व धरोहर स्थल के पास एक म्यूजियम या इंटरप्रिटेशन सेंटर हो। उसका आकार-प्रकार संबंधित स्थल के अनुरूप हो सकता है, लेकिन उद्देश्य गंभीर होना चाहिए। ऐसे म्यूजियम में खुदाई से निकली वस्तुएं रखी जाएं, शोध केंद्र हों और स्थानीय समुदायों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हों। स्थानीय शिल्प और कला के प्रदर्शन को भी जगह दी जाए तो ये स्मारक ऐसे संस्थान बन सकते हैं, जो रोजगार पैदा करें, स्थानीय गौरव को बढ़ाएं और पर्यटकों को अधिक ठहराव के लिए आकर्षित करें।

भारत में सरकारी परियोजनाओं के अलावा प्राइवेट म्यूजियम और सार्वजनिक-निजी साझेदारियां भी सामने आ रही हैं। किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट दिल्ली में एक बड़ा परिसर बना रहा है, जिसे डेविड अडजाये ने डिजाइन किया है।

एक लाख वर्ग मीटर के इस परिसर में गैलरीज के साथ परफॉर्मेंस के लिए स्थान और लर्निंग सेंटर भी हैं। बेंगलुरु के म्यूजियम ऑफ आर्ट एंड फोटोग्राफी ने डिजिटल-फर्स्ट नजरिया अपनाते हुए संरक्षण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारियां की हैं।

मुंबई का डॉ. भाऊ दाजी लाड संग्रहालय दिखाता है कि साझा प्रबंधन से किसी संस्था को कैसे पुनर्जीवित किया जाता है। भुज के स्मृतिवन और पटना के बिहार म्यूजियम जैसे प्रोजेक्ट म्यूजियम को शहर के सामाजिक परिवेश का हिस्सा मानते हैं।

भारत के कंपनी एक्ट के तहत पात्र कंपनियों को अपने औसत शुद्ध लाभ का 2% हिस्सा सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) पर खर्च करना जरूरी होता है। सीएसआर विषयों में कला, संस्कृति और हेरिटेज संरक्षण भी शामिल हैं। फिर भी संस्कृति पर सीएसआर फंड का 3% से भी कम हिस्सा खर्च होता है।

इसके लिए सरकारी फंडिंग भी राष्ट्रीय बजट के 1% से भी कम है। जबकि अमेरिका में 2025 में निजी परोपकारी संस्थाओं ने कला, संस्कृति, मानविकी के क्षेत्र में 27 अरब डॉलर से अधिक का योगदान दिया। यूरोपीय कंपनियों ने भी ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए पैसा दिया।

अगर हम म्यूजियमों में निवेश को सामाजिक खर्च के तौर पर देखें तो सीएसआर बोर्ड और परोपकारी संस्थाएं हम्पी, कोलकाता या दिल्ली के म्यूजियमों को ब्रांडिंग, शिक्षा व पर्यटन आधारित रोजगार के क्षेत्र में साझेदार के तौर पर देख सकेंगी, न कि दान पाने वाली संस्था के तौर पर।

भारत को नेशनल म्यूजियम, साइट म्यूजियम और सिटी म्यूजियमों का ऐसा नेटवर्क बनाने की जरूरत है, जो राजवंशों और पुरावशेषों के साथ ही स्थानों और समुदायों की कहानी भी बताए। दिल्ली के नेशनल म्यूजियम की हड़प्पा गैलरी में मोहनजोदड़ो की नृत्य करती युवती, पशुपति मुहर, राखीगढ़ी से मिला कंकाल और उस वक्त के पुरावशेष एकसाथ रखे गए हैं।

यह बताता है कि कैसे एक फोकस्ड गैलरी शहरी विकास, शिल्प और आस्था के हमारे राष्ट्रीय नैरेटिव को आधार देती है। अगर भारत अपने विश्व धरोहर स्थलों में इस प्रकार के संस्थान बना सकता है, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम जैसे पुराने संग्रहालयों का आधुनिकीकरण कर सकता है और रायसीना हिल को एक म्यूजियम क्षेत्र में तब्दील कर सकता है तो उसके पास यकीनन अपनी सभ्यता के कथानक को भावी पीढ़ी तक ले जाने वाला इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद होगा।

अतीत कोई ऐसी कहानी नहीं है, जिसे सीमित दायरे में ही सुनाया जाए। अगर हम अपने संस्थानों को बेहतर तरीके से बनाएं तो हमारा अतीत वो सबसे ताकतवर चीज हो सकती है, जिसे हम दुनिया के सामने पेश कर सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

परिवार के प्रति अपनापन फूल की गंध जैसा होता है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

परिवार को एक नाव की तरह समझिए, जो जीवन रूपी नदी में लगातार आगे बढ़ रही है। हर नाव में कोई न कोई छेद होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कोई छेद समय रहते दिखाई दे जाता है और उसे ठीक कर लिया जाता है, जबकि कोई छेद लंबे समय तक अनदेखा रह जाता है। जब तक पानी कम होता है, तब तक खतरा महसूस नहीं होता, लेकिन धीरे-धीरे वही पानी पूरी नाव को डुबोने की स्थिति में पहुंचा सकता है। परिवार के साथ भी यही बात लागू होती है।

परिवार में प्रेम, विश्वास और अपनापन बनाए रखने के लिए सजगता जरूरी है। घर के सदस्यों के जीवन में कभी न कभी तनाव, गलत आदतें, भोग-विलास, अहंकार या अन्य दुर्गुण प्रवेश कर सकते हैं। बच्चों और युवाओं से ही नहीं, बल्कि बड़े-बुजुर्गों से भी कभी ऐसी गलतियां हो सकती हैं, जो परिवार की शांति और एकता को प्रभावित करें। इसलिए केवल यह सोच लेना पर्याप्त नहीं है कि हमारा परिवार सुरक्षित है। परिवार के वातावरण पर लगातार ध्यान देना जरूरी है।

समझदार नाविक जब नाव में पानी आता देखता है तो वह उसे बाहर निकालने में देर नहीं करता। वह यह इंतजार नहीं करता कि पानी ज्यादा भर जाए, तब कोई कदम उठाएगा। उसी तरह परिवार में भी छोटी समस्या को शुरुआत में ही समझकर उसका समाधान करना चाहिए। यदि किसी सदस्य के व्यवहार में बदलाव दिखाई दे, आपसी बातचीत कम हो जाए या घर में तनाव बढ़ने लगे तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय प्रेम और संवाद से स्थिति को संभालना चाहिए।

परिवार की सबसे बड़ी शक्ति अपनापन है। जब घर के सदस्यों को यह भरोसा रहता है कि कठिन समय में परिवार उनके साथ खड़ा रहेगा, तब वे बाहरी परेशानियों का सामना भी मजबूती से कर पाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि परिवार में एक-दूसरे की बात सुनी जाए, भावनाओं का सम्मान किया जाए और छोटी-छोटी बातों को अहंकार का विषय न बनाया जाए। फूल की गंध दिखाई नहीं देती, लेकिन उसका अनुभव वातावरण को सुखद बना देता है। परिवार का अपनापन भी ऐसा ही होता है। इसे दिखावे की जरूरत नहीं होती। प्रेम से कही गई एक बात, मुश्किल समय में दिया गया साथ और बिना किसी स्वार्थ के की गई मदद परिवार में ऐसी खुशबू भर देती है, जो लंबे समय तक बनी रहती है।

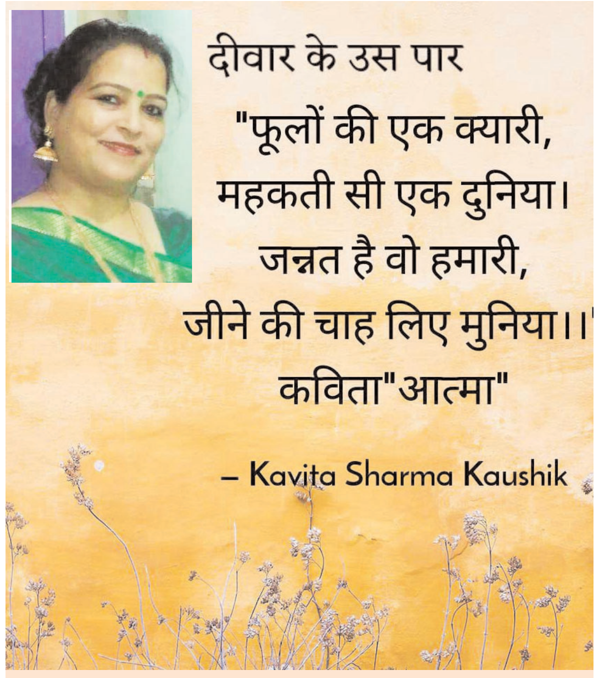

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाराज श्रीदशरथ, जिनकी रामायण में प्रशंसा तो बार-बार की गई है लेकिन वहीं कैकेई के भवन में जाने के प्रसंग में तुलसीदासजी ने महाराज श्रीदशरथ की आलोचना की है। महाराज श्रीदशरथ की कमी यही है कि वे जब कैकेई के भवन की ओर जाने लगे तो कैकेई के प्रति आसक्ति लेकर गए। इसका अर्थ है कि क्रिया के मूल में आसक्ति एवं कर्मफल की तीव्रतम आकांक्षा जहां होगी वहां रामराज्य नहीं बनेगा। इसका तात्पर्य तो समझ में आता है, क्योंकि मार्ग में चल पड़ना ही केवल यथेष्ट नहीं है, अगर व्यक्ति ऐसे मार्ग पर चल पड़े जहां पर कोई चिकनी वस्तु अथवा कोई छिलका गिरा हुआ हो, घी या तेल गिरा हुआ हो अथवा जहां पर फिसलन हो गई हो तो उसका परिणाम होगा कि वह बिना गिरे नहीं रहेगा। और फिसलकर गिरने पर लक्ष्य तक पहुंचना तो दूर उसका हाथ पैर और टूट जाएगा। ठीक इसी प्रकार से महाराज श्रीदशरथ के अंत:करण में स्नेह भी है और आसक्ति भी है। आसक्ति का अभिप्राय है कि हमने इस फिसलन का निर्माण कर लिया है क्योंकि कोई व्यक्ति ऐसा हो ही नहीं सकता जिसके जीवन में आसक्ति तो हो पर फिसलन न हो। भई ! आसक्ति (कीचड़) के मार्ग से जो चलेगा उस व्यक्ति के फिसलने की संभावना बनी रहेगी। महाराज श्रीदशरथ के चरित्र में भी आप यही तथ्य पाएंगे। यद्यपि महाराज श्रीदशरथ के पैर तो बड़े धीरे-धीरे पड़ रहे हैं लेकिन वे जा रहे हैं कीचड़ की ओर ही। जब लोग कीचड़ में चलते हैं तो बहुधा पैर संभाल कर ही रखते हैं लेकिन पैर कितना भी संभालकर रखें अगर कीचड़ बहुत अधिक दूर तक है तो उसका गिरना अवश्यंभावी है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

छत्तीसगढ़ में अब तक 15 कैडेवर डोनेशन, 69 को नया जीवन मिला

रायपुर। किसी की जिंदगी अस्पताल की एक फाइल के क्लीयरेंस पर अटकी है तो कोई तीन साल से किडनी मिलने का फोन आने की राह देख रहा है। 21 साल के कामेश शर्मा की दोनों किडनी खराब है।

ट्रांसप्लांट के लिए एम्स के लगभग सभी विभागों से मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन यूरोलॉजी विभाग का क्लीयरेंस बाकी है। प्रदेश में कामेश जैसे 204 मरीज अंग प्रत्यारोपण की वेटिंग लिस्ट में हैं। इनमें 188 यानी 92.2% को किडनी, 14 को लिवर और 2 को अपर लिंब की जरूरत है। प्रदेश में अब तक 15 कैडेवर डोनेशन हुए हैं। इनसे मिले अंगों ने 69 लोगों को नया जीवन दिया।

कैडेवर डोनर से किडनी और लिवर के साथ आंख, त्वचा, कॉर्निया और हार्ट वॉल्व जैसे अंग व ऊतक भी जरूरतमंदों को मिल सकते हैं। सिर्फ वेटिंग नंबर से नहीं मिलती डोनर की किडनी

ब्रेन-डेड डोनर से किडनी मिलने पर मेडिकल फिटनेस, ब्लड ग्रुप, मैचिंग, प्राथमिकता और सरकारी नियमों के आधार पर पात्र मरीज चुना जाता है।

डोनर की दो किडनी में एक संबंधित अस्पताल और दूसरी जनरल पूल को मिलती है। इसलिए पंजीयन के बाद भी इंतजार लंबा हो सकता है। लिवर आवंटन में डोनर वाले अस्पताल के पात्र मरीज को प्राथमिकता मिलती है।

केस-1: सभी क्लीयरेंस मिले, फाइल यूरोलॉजी में अटकी: कामेश की मां कुसुम शर्मा ने बताया, 'बेटे को क्रॉनिक किडनी डिजीज है। डॉक्टरों के मुताबिक ये जन्मजात है, पर हमें 28 जून 2024 को पता चला। तब से घर पर ही डायलिसिस चल रहा है। ट्रांसप्लांट के लिए लगभग सभी विभागों से क्लीयरेंस मिल चुका है। सिर्फ यूरोलॉजी की मंजूरी बाकी है। इससे प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही। लगातार डायलिसिस से उसे परेशानियां हो रही हैं।'

केस-2: 3 साल से किडनी का इंतजार: यामिनी साहू ने बताया, 'जून 2023 में बीमारी पता लगी। रायपुर एम्स में इलाज शुरू हुआ। 10-12 बार हीमोडायलिसिस कराया गया। फिर घर पर पेरिटोनियल डायलिसिस चल रहा है। शरीर में पानी भरने से सांस में तकलीफ होती है। बीमारी से कॉलेज की पढ़ाई भी छूट गई। 2023 में ही कैडेवर किडनी के लिए पंजीयन और सभी दस्तावेज जमा कर दिए थे, लेकिन अब तक किडनी नहीं मिली।'

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

पांच माह से नए एलपीजी कनेक्शन बंद

छत्तीसगढ़ में दो लाख आवेदन लंबित, अब 10 किलो का सिलेंडर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 5 महीने से नए घरेलू एलपीजी कनेक्शन बंद हैं। इसके चलते गैस एजेंसियों में दो लाख से ज्यादा आवेदन लंबित हैं। अब सरकारी तेल कंपनियां एक-एक कर रायपुर में 10 किलो का प्रीमियम सिलेंडर लॉन्च कर रही हैं।

इंडेन लॉन्च कर चुकी है। 14 अगस्त को बीपीसीएल रायपुर में ये सिलेंडर लॉन्च करेगी। पुरानी व्यवस्था बहाल होने तक नए उपभोक्ताओं को यही सिलेंडर मिलेगा। प्रीमियम सिलेंडर का नया कनेक्शन करीब 5000 रुपए में मिल रहा है।

इसमें 2500 रुपए सिक्योरिटी डिपॉजिट और करीब 1200 रुपए जीएसटी, पाइप, रेगुलेटर व प्रशासनिक शुल्क शामिल हैं। दरअसल, इजराइल-ईरान युद्ध शुरू होने से एलपीजी की आपूर्ति बाधित हुई थी। इसके बाद शहरों में 25 और गांवों में 45 दिन बाद घरेलू सिलेंडर रिफिलिंग की व्यवस्था लागू की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग नए कनेक्शन के लिए एजेंसियों पर पहुंचे, लेकिन कनेक्शन जारी होना बंद था।

आधा वजन, गैस का स्तर भी दिखेगा

कनेक्शन एजेंसी के अलावा कंपनी के एप से भी लिया जा सकेगा।

फाइबर से बना सिलेंडर पुराने लोहे के सिलेंडर के मुकाबले करीब आधा वजनी होगा।

बुकिंग के चार घंटे के भीतर डिलीवरी का दावा किया गया है।

सिलेंडर पारदर्शी होने से गैस का स्तर देखा जा सकेगा।

कंपनी के अनुसार फाइबर बॉडी के कारण यह ज्यादा सुरक्षित होगा।

प्रीमियम सिलेंडर आने से गैस की किल्लत दूर होगी। यह हल्का है और चार घंटे में इसकी डिलीवरी की जाएगी। इसके लॉन्च होते ही नए कनेक्शन शुरू हो जाएंगे। पुराने उपभोक्ता भी समय रहते केवाईसी करा लें, अन्यथा कनेक्शन ब्लॉक हो सकता है।' -मुरारी गौर, प्रदेशाध्यक्ष, बीपीसीएल डिस्ट्रीब्यूटर संघ

घरेलू सिलेंडर से 2 गुना से भी महंगी गैसः

14.5 किलो के घरेलू सिलेंडर का नया कनेक्शन करीब 4000 रुपए और रिफिल 1024 रुपए में मिलता है। वहीं, 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की रिफिलिंग करीब 2760 रुपए है। इस हिसाब से घरेलू सिलेंडर की गैस करीब 71 रुपए, कमर्शियल की 146 रुपए, प्रीमियम सिलेंडर की 166 रुपए किलो तक पड़ेगी। घरेलू कनेक्शन पर करीब 61 रुपए सब्सिडी मिलती है, जबकि प्रीमियम सिलेंडर पर नहीं मिलेगी।

प्रदेश में 63.3 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं। सभी के लिए 15 अगस्त तक केवाईसी अनिवार्य है, वर्ना कनेक्शन ब्लॉक किया जा सकता है। एजेंसियों के मुताबिक हजारों कनेक्शन ऐसे लोगों के नाम पर हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। परिवार ने इन्हें अपने नाम ट्रांसफर नहीं कराया है। ऐसे मामलों में मृत्यु प्रमाणपत्र सहित संबंधित एजेंसी में आवेदन करना होगा।

एआई से महिलाओं की तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करना गंभीर साइबर क्राइम

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कहा है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के माध्यम से किसी महिला की आपत्तिजनक तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करना गंभीर साइबर अपराध है। ऐसे मामलों में पीड़ित महिलाओं को तत्काल कानूनी कार्रवाई और एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार है। राज्य महिला आयोग कार्यालय रायपुर में 11 अगस्त को आयोजित प्रदेश स्तरीय द्वितीय जनसुनवाई में अध्यक्ष डॉ. ममता साहू एवं सदस्य दीपिका शोरी ने महिला उत्पीड़न से संबंधित 30 प्रकरणों को सुनवाई के लिए रखा, जिनमें 17 मामलों की सुनवाई की गई तथा 5 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए। सुनवाई के दौरान एक मामले में महिला ने शिकायत की कि कुछ लोग एआई तकनीक का उपयोग कर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहे हैं। आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसे साइबर अपराध से संबंधित माना और संबंधित पक्षों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर देते हुए प्रकरण को अगली सुनवाई के लिए रखा।

स्वतंत्रता दिवस से पहले पुलिस का चेकिंग अभियानः300 लोगों की जांच

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए रायपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। नॉर्थ जोन पुलिस ने 10 और 11 अगस्त को विशेष अभियान चलाकर करीब 300 निगरानी बदमाशों, असामाजिक तत्वों और संदिग्ध लोगों की जांच की। इनमें से करीब 130 लोगों पर कार्रवाई की गई।

पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने वाले 100 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। वहीं हथियार लेकर घूम रहे 3 लोगों को पकड़ा गया। 8 बदमाशों और संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया।

6 स्थायी वारंटी समेत 19 वारंट तामील

अभियान के दौरान पुलिस ने लंबे समय से फरार 6 स्थायी वारंटियों को पकड़ा। इसके अलावा 10 गिरफ्तारी वारंट और 3 जमानती वारंट भी तामील किए गए। पुलिस के अनुसार कुल 19 वारंट पर कार्रवाई की गई।

गुढ़ियारी, खमतराई और खम्हारडीह थाना क्षेत्र में सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने वालों की जांच की गई। इस दौरान 100 लोगों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 36(च) के तहत कार्रवाई हुई।

खमतराई और पंडरी क्षेत्र में धारदार हथियार लेकर घूम रहे 3 लोगों को भी पकड़ा गया। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा 8 गुंडा-निगरानी बदमाशों और संदिग्ध लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

उरला थाने में दर्ज चोरी के एक मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया और चोरी का सामान उरला के कबाड़ी को बेचने की जानकारी दीइसके बाद पुलिस ने कबाड़ी मुकेश दास को भी पकड़ लिया। दोनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला के निर्देश पर स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया।

रायपुर एयरपोर्ट पर 'जीरो लगेज' टिकट बनी यात्रियों की परेशानी, 15 किलो सामान पर देना पड़ रहा 10 हजार तक चार्ज

रायपुर। हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए बेहद काम की खबर है। यदि आप सस्ती टिकट देखकर फ्लाइट बुक कर रहे हैं, तो सावधान हो जाएं! सस्ती टिकट के चक्कर में आपको एयरपोर्ट पर अलग से जेब ढीली करनी पड़ सकती है। दरअसल, घरेलू उड़ानों में इकोनॉमी क्लास के यात्रियों को आमतौर पर 15 किलोग्राम तक चेक-इन बैगेज (सामान) ले जाने की मुफ्त अनुमति होती है। हालांकि, इंडिगो एयरलाइंस ने 'जीरो लगेज' या 'लाइट फेयर' का विकल्प पेश किया है। इसमें टिकट तो सस्ती मिलती है, लेकिन चेक-इन सामान ले जाने की अनुमति नहीं होती। जानकारी के अभाव में जब यात्री 15 किलो सामान लेकर एयरपोर्ट पहुंच रहे हैं, तो उनसे भारी-भरकम अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है। इससे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है। हाल ही में रायपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे एक यात्री को एयरपोर्ट काउंटर पर रोक दिया गया। उनके पास 15 किलो का बैग था, लेकिन एयरलाइंस अधिकारियों ने लगेज का अलग शुल्क मांगा। यात्री ने डीजीसीए के 15 किलो मुफ्त बैगेज के नियमों की बात कही, लेकिन प्रबंधन नहीं माना।

मेडिकल काउंसलिंग में नया नियम लागू, सरकारी सीट मिली तो एडमिशन जरूरी वरना सीधे बाहर

रायपुर। प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। चार दिनों में 2600 से ज्यादा नीट क्वालिफाइड छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। पहले राउंड में प्रवेश के लिए नियम भी सख्त है। इस राउंड में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीट आवंटित होने पर प्रवेश लेना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर छात्र काउंसलिंग से स्वतः ही बाहर हो जाएगा। यही नहीं चालू सत्र में प्रवेश भी नहीं ले सकेगा। नए प्रवेश नियम में अब हर राउंड में नए सिरे से

ऑनलाइन पंजीयन करवाया जाएगा। यही नहीं नई मेरिट सूची भी जारी की जाएगी।

आवंटन के बाद प्रवेश लेने की अनिवार्यता निजी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों के लिए नहीं है। यानी छात्रों को सीट आवंटन होने पर दस्तावेज का सत्यापन कराना जरूरी होगा और वे अगले राउंड में बने रहने के लिए विकल्प दे सकते हैं। प्रदेश के 21 सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र 16 अगस्त तक पंजीयन करवा सकेंगे। 17 अगस्त तक च्वाइस फिलिंग करनी होगी। आवंटन सूची 20 अगस्त को आएगी। सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस सीट मिलने पर छात्रों को प्रवेश नियम पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्हें संबंधित मेडिकल कॉलेजों में न केवल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा, वरन प्रवेश भी लेना होगा। कॉलेज से संतुष्ट नहीं होने पर उन्हें अपग्रेडेशन का विकल्प दिया जाएगा।

डेढ़ महीने बाद भी नियुक्ति नहीं, अतिथि-व्याख्याताओं ने मंत्रालय घेरा

रायपुर। सरकारी कॉलेजों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में देरी और सेवा से जुड़ी मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ शासकीय महाविद्यालयीन अतिथि व्याख्याता पीएचडी-नेट कल्याण संघ ने बुधवार को मंत्रालय का घेराव किया। प्रदेशभर से आए अतिथि व्याख्याताओं ने कई घंटे तक प्रदर्शन किया।

उनकी मांग थी कि वे शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिलकर ज्ञापन सौंपें, लेकिन काफी देर तक कोई अधिकारी उनसे मिलने नहीं आया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंप दिया। अतिथि व्याख्याताओं ने बताया कि शासकीय कॉलेजों में नया शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई से शुरू हो चुका है।

छात्र कॉलेज पहुंच रहे हैं, लेकिन करीब डेढ़ महीने बाद भी पिछले सत्र में काम कर चुके कई अतिथि व्याख्याताओं को दोबारा नियुक्ति नहीं मिली है। इससे कई कॉलेजों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। नियुक्ति में देरी से अतिथि व्याख्याताओं की आय भी रुक गई है।

राज्य सरकार ने 17 जुलाई 2026 को अतिथि व्याख्याता नीति-2024 (संशोधित-2026) जारी की थी। संघ का कहना है कि नीति जारी होने के बाद भी उच्च शिक्षा विभाग की ओर से पिछले सत्र में काम कर चुके अतिथि व्याख्याताओं को दोबारा काम पर बुलाने के निर्देश कॉलेजों को नहीं मिले हैं।

इधर, उच्च शिक्षा संचालनालय ने बताया कि अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति के आदेश जारी करने के लिए अभी वित्त विभाग की मंजूरी का इंतजार है।

मां महामाया की पावन धरा पर गूंजी शिव महापुराण की दिव्य कथा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल हुए शामिल

खरोरा। माँ महामाया की पावन धरा खरोरा स्थित भैरव बाबा चौक में महिला स्व-सहायता समूहों एवं नगरवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्य संगीतमय श्री ज्योतिर्लिंग शिव महापुराण कथामें जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने कथा व्यास श्रद्धेय आचार्य अरुण नयन तिवारी के श्रीमुख से शिव महापुराण की अमृतमयी कथा का श्रवण किया और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पूरा कथा स्थल शिवभक्ति से सराबोर नजर आया। भक्ति और आध्यात्मिकता की बयार के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की महिमा, उनके स्वरूप और सनातन धर्म में उनके महत्व का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने कहा कि *शिव महापुराण केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, संस्कार, सत्य और सदाचार के मार्ग पर ले जाने वाला आध्यात्मिक प्रकाश है। भगवान शिव की भक्ति मनुष्य को सेवा, समर्पण और परोपकार की प्रेरणा देती है। ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

उन्होंने आयोजन के लिए महिला स्व-सहायता समूहों एवं समस्त नगरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खरोरा की पावन धरती पर इस प्रकार के धार्मिक आयोजन निश्चित रूप से क्षेत्र के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। काम का दबाव बना रहेगा, लेकिन परिवार का सहयोग मिलने से परिस्थितियां संभालने में आसानी होगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए काम को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अनावश्यक खरीदारी और दिखावे पर खर्च करने से बचें। परिवार के किसी सदस्य की सलाह महत्वपूर्ण निर्णय में मददगार साबित हो सकती है।

वृषभ। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा। किसी बड़े निवेश या लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की वरिष्ठ अधिकारी सराहना कर सकते हैं। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

मिथुन। आज कमाई के नए अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा, जिससे महत्वपूर्ण काम आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार में नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और किसी पुराने मित्र से उपयोगी जानकारी मिल सकती है।

कर्क। धन से जुड़े फैसलों में दूरदर्शिता दिखाना आपके लिए लाभकारी रहेगा। किसी निवेश में पैसा लगाने से पहले विशेषज्ञ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। यात्रा से लाभ मिलने के संकेत हैं।

सिंह। चंद्रमा आपकी राशि में होने से आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभाल सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों की नजर आपके काम पर रहेगी, इसलिए हर कार्य सावधानी से पूरा करें। मान-सम्मान मिलने के योग हैं। व्यापार में नई योजना बनाने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है।

कन्या। आज आपकी बौद्धिक क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी जटिल समस्या का समाधान अपनी समझदारी से निकाल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से महत्वपूर्ण सलाह मिल सकती है। व्यापार में नए अवसर दिखाई देंगे, लेकिन आर्थिक फैसले सोच-समझकर ही लें। बजट का विशेष ध्यान रखना जरूरी होगा।

तुला। कार्यस्थल पर आपकी पहचान और प्रभाव मजबूत होगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना कर सकते हैं और किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। व्यापार में पुराने संपर्कों से फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ सुखद समय बीतेगा।

वृश्चिक। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने लक्ष्यों को लेकर अधिक स्पष्ट रहेंगे। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से रुके हुए कार्य समय पर पूरे होने की संभावना है। व्यापारियों को किसी पुराने सौदे से लाभ मिल सकता है। नए व्यवसायिक संपर्क भविष्य में उपयोगी साबित होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करें। अनावश्यक जोखिम लेने से बचना बेहतर होगा।

धनु। भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आप उन्हें अपनी क्षमता से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों के लिए नए सौदे लाभदायक साबित हो सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, विशेषकर उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। किसी धार्मिक या मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर। व्यवसायिक सहयोग से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। किसी पुराने संपर्क के माध्यम से नया अवसर प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी। आय में बढ़ोतरी की उम्मीद है और आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है। निवेश से जुड़े फैसले लेते समय जल्दबाजी न करें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी।

कुंभ। कार्यशैली में सुधार होगा और आप काम को पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित ढंग से पूरा कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमता की सराहना हो सकती है। पुराने दोस्तों से मुलाकात संभव है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। किसी पुराने निवेश या संपर्क से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा। प्रेम संबंधों में संवाद बढ़ाने से रिश्ते मजबूत होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है।

मीन। **मीन राशि:** आज आपको अपने काम में एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे सफलता मिलने के संकेत हैं। व्यापार में कोई नई योजना शुरू करने से पहले उसके लाभ और जोखिम का आकलन जरूर करें। जल्दबाजी से बचने पर बेहतर परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रह सकती है, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना जरूरी होगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। जीवनसाथी और परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान लगाने के लिए व्यवस्थित दिनचर्या बनानी चाहिए। प्रेम संबंधों में भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। स्वास्थ्य की दृष्टि से खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

पूरा शहर जाम एलपीएन शाहदेव चौक ब्लॉक

4 जगह बैरिकेडिंग ने रांची को जाम में जकड़ा, 5 मिनट का सफर 30-40 मिनट में तय हो रहा

रांची। राजधानी रांची में वीआईपी सुरक्षा के लिए 4 जगह की गई बैरिकेडिंग अब शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर भारी पड़ रही है। पिछले चार दिन से एलपीएन शाहदेव चौक, राम मंदिर चौक और जाकिर हुसैन पार्क के पीछे सड़कें ब्लॉक किए जाने से आसपास के रास्तों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और दिनभर शहर के कई हिस्सों में जाम की स्थिति बन रही है। सबसे ज्यादा असर कांके रोड, रातू रोड, कचहरी चौक और मोरहाबादी की ओर आने-जाने वाले लोगों पर पड़ा है।

5-7 मिनट में तय होने वाली दूरी पार करने में 30-40 मिनट तक लग गए। बुधवार को भी स्कूल-कॉलेज, अस्पताल और दफ्तर जाने वालों के साथ एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जाने वाले लोग भी जाम में फंसे रहे। तीनों जगहों पर सड़कें बंद होने से एक मार्ग का ट्रैफिक दूसरे मार्ग पर डायवर्ट होता रहा और इसका असर धीरे-धीरे पूरे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर पड़ा। इससे आम लोग बहुत परेशान हैं। कई जगह एंबुलेंस भी फंसी रही। ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें आगे का रास्ता दिया।

राम मंदिर चौक : यहां पर वाहन रोकने से बढ़ा ट्रैफिक दबाव

राम मंदिर के पास बैरिकेडिंग कर कांके से रातू रोड की ओर आने वाले वाहनों को रोक दिया गया। वाहनों को सिद्धो-कान्हू पार्क की ओर से होकर जाना पड़ रहा है। इससे आरयू और चिल्ड्रेन पार्क के रास्ते पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और जाम लगा। राम मंदिर से रातू रोड की दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है, लेकिन आब 30-40 मिनट लग रहे हैं।

एलपीएन शाहदेव चौकः 10 मिनट का सफर, 30 मिनट लग रहे

एलपीएन शाहदेव चौक की चारों ओर की सड़कों पर बैरिकेडिंग से आवागमन प्रभावित है। सूचना भवन, कोबरा सुविधा केंद्र, राम मंदिर और जज कॉलोनी के पास रास्ते बंद किए गए हैं। इससे किशोरी यादव चौक-जाकिर हुसैन पार्क के पास दबाव बढ़ा और 10 मिनट का सफर 30 मिनट में पूरा हो रहा। पूर्व सूचना नहीं होने से परेशानी बढ़ी।

जाकिर हुसैन पार्क : दो में से एक रास्ता बंद, एक से ही आवाजाही

जाकिर हुसैन पार्क के पीछे बैरिकेडिंग कर एक रास्ते का आवागमन रोक दिया गया है। अब पार्क के सामने से ही वाहनों की आवाजाही हो रही है। रातू रोड फ्लाईओवर, कचहरी और राजभवन की ओर से आने वाले वाहनों के लिए एक ही रास्ता बचा है। इससे जाम बढ़ गया है। 2 मिनट का सफर 15-20 मिनट में पूरा हो रहा है। लोगों की सुविधा के लिए बीच-बीच में खोल रहे बैरिकेडिंग

छात्र आंदोलन और धरना-प्रदर्शन को देखते हुए सीएम आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई है। इसी वजह से सड़क पर बैरिकेडिंग की गई है। लोगों की सुविधा को देखते हुए बैरिकेडिंग थोड़ी-थोड़ी देर में खोल दी जाती है। **- राकेश सिंह, ट्रैफिक एसपी रांची**

माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्तिः877 अभ्यर्थियों में से 218 निजी विवि से पास, हो सकती है काउंसलिंग, शिक्षा सचिव बोलेः प्रमाण पत्र की होगी जांच

रांची। माध्यमिक सहायक आचार्य के लिए अनुशंसित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलने में अभी देरी होगी। नियुक्ति पत्र देने की योजना फिलहाल टल गई है। राज्य के विभिन्न प्लस-टू स्कूलों में नियुक्ति के लिए 877 अभ्यर्थियों की अनुशंसा की गई है। इनमें 218 अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने बीएड, एमए या अन्य संबंधित शैक्षणिक डिग्रियां देश या राज्य के निजी विश्वविद्यालयों से हासिल की हैं। निजी यूनिवर्सिटी से डिग्री लेने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के बाद शिक्षा विभाग ने इनके प्रमाण पत्रों की जांच का फैसला लिया है।

शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को हर प्रमाण पत्र की बारीकी से जांच करने का निर्देश दिया है। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि 33 महिला पर्यवेक्षिकाओं की नियुक्ति में अनियमितता सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने इंटरनल जांच कराई थी। इसी स्क्रूटनी के दौरान यह बात सामने आई कि माध्यमिक सहायक आचार्य की अनुशंसा सूची में भी प्राइवेट यूनिवर्सिटी से पास अभ्यर्थियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। शिक्षा सचिव ने कहा कि जरूरत पड़ी तो फ्रेश काउंसलिंग भी कराई जा सकती है। नियुक्ति पत्र कब दिया जाएगा, इसके लिए कोई योजना नहीं बनी है।

राज्य में करीब 1373 माध्यमिक सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। इनमें से 877 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा जेएसएससी ने शिक्षा विभाग से की है। इन अभ्यर्थियों को लेकर शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक के पास पहले शिकायतें पहुंची थीं। शिकायतों के आधार पर हुई इंटरनल जांच में कुछ शिकायतों की पुष्टि हुई। मिली जानकारी के अनुसार, साइबर सिक्यूरिटी एंड डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और एआई एंड कोडिंग जैसे विषयों में सफल कुछ अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए गए हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग ने नियुक्ति पत्र वितरण की योजना फिलहाल रोक दी है।

परीक्षा-दस्तावेज सत्यापन के बाद बनी थी अनुशंसा सूची

माध्यमिक सहायक आचार्य की नियुक्ति राज्य के प्लस-टू उच्च विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक के विभिन्न विषयों के लिए की जा रही है। जेएसएससी की लिखित परीक्षा, निर्धारित शैक्षणिक अर्हता और दस्तावेज सत्यापन के बाद अंतिम अनुशंसा सूची तैयार की गई थी। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और झारखंड सरकार के नियुक्ति नियमों के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री लेने वाले अभ्यर्थी इस प्रक्रिया में शामिल होने के पात्र हैं। अब अनुशंसा के बाद शिक्षा विभाग यह जांच करेगा कि निजी विश्वविद्यालयों से प्राप्त डिग्रियां संबंधित संस्थानों की यूजीसी और एनसीटीई की मान्यता के अनुरूप हैं या नहीं।

तीन महीने में स्क्रैप बना एक करोड़ का रेलवे शेड, कार्रवाई की बजाय खामोशी

चक्रधरपुर। राउरकेला रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने करीब एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित शेड के टूटकर गिरने की घटना को 72 घंटे बीत चुके हैं। अब तक जिम्मेदार रेल अधिकारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

महज तीन महीने पहले तैयार हुआ यह शेड अब टूटकर स्क्रैप में तब्दील हो चुका है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने क्षतिग्रस्त शेड को खोल दिया है। क्रेन की मदद से उसे बड़े वाहनों में लादकर राउरकेला रेलवे कॉलोनी स्थित ट्रेनिंग स्कूल परिसर में रखवा दिया गया है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि निर्माण में निर्धारित छह एमएम की जगह चार एमएम मोटाई वाले पाइप का इस्तेमाल किया गया था। वेल्डिंग की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शेड निर्माण स्थल से राउरकेला रेलवे एडीईएन कार्यालय की दूरी करीब दो किलोमीटर है। यदि मानकों की अनदेखी हुई थी तो संबंधित अधिकारियों ने समय रहते इसे क्यों नहीं रोका? हादसे के बाद भी कार्रवाई में देरी से संदेह और बढ़ रहा है। इसी बीच स्टेशन के समीप एसटी कॉलोनी में कुछ महीने पहले निर्मित बाउंड्री वॉल की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण के कुछ ही महीनों में दीवार में बड़ी दरारें दिखाई देने लगीं।

1 साल में 30.90% निर्यात बढ़ाःझारखंड में देश से 6 गुना तेजी से बढ़ा निर्यात, 20,988 करोड़ रुपए पर पहुंचा

रांची। झारखंड के निर्यात कारोबार ने 2025-26 में राष्ट्रीय रफ्तार को पछाड़ते हुए बड़ी बढ़त हासिल की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में राज्य का निर्यात 30.90% (4995 करोड़) बढ़कर 20,988.14 करोड़ पर पहुंच गया। 2024-25 में यह आंकड़ा 16,034.19 करोड़ था। इसी अवधि में भारत की निर्यात वृद्धि महज 5.41% रही। झारखंड में यह देश की औसत रफ्तार से करीब छह गुना तेजी से बढ़ा है। इस प्रदर्शन के दम पर राज्य में राष्ट्रीय रैंकिंग में दो पायदान का सुधार किया है और 21वें से 19वें स्थान पर पहुंच गया है।

इस निर्यात में बिजली की भूमिका सबसे अहम रही। अकेले बिजली का निर्यात 10.332 करोड़ रुपए से ज्यादा रहा, जो राज्य के कुल निर्यात का 50% है। इसके अलावा गर्म रोल्ड स्टील, कपड़ा, जस्ती तार की रस्सियों और कुछ लौह इस्पात उत्पादों के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई, लेकिन मोटर पार्ट्स, फेरो मैंगनीज और स्टील की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट आई। जिलेवार आंकड़ों में गोड्?डा करीब 50% हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा, जबकि पूर्वी सिंहभूम और रांची क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर पर रहा।

योजना की सफलता समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर निर्भर : बीडीओ

खरसावां। खरसावां प्रखंड मुख्यालय के सभागार में बीबी जी राम जी योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें रोजगार सेवकों, मुखियाओं, पंचायत समिति सदस्यों, योजना से जुड़े कर्मियों को योजना के उद्देश्य, कार्यप्रणाली तथा जमीनी स्तर पर इसके बेहतर संचालन की जानकारी दी गई।

कार्यशाला का उद्घाटन खरसावां प्रमुख मनेन्द्र जामुदा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रधान माझी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर मांझी ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता उसके समयबद्ध, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, कर्मियों से योजनाओं के संचालन में जवाबदेही के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की बात कही। कार्यशाला में प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी नरेश प्रमाणिक, सहायक अभियंता आशुतोष कुमार, कनिष्ठ अभियंता आशुतोष कुमार उपाध्याय, मनोज कुमार सोय, देवचरण बानरा ने प्रशिक्षण सत्र में योजना की रूपरेखा, उद्देश्य, प्रमुख प्रावधानों, क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण विकास कार्यों में गति लाना है। इसका लक्ष्य योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया। उन्होंने कार्यान्वयन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण में प्रमुख मनेन्द्र जामुदा, बीडीओ प्रधान माझी, मुखिया विशुलाल माझी, मुखिया सुनिता तापे, मुखिया इन्द्रजीत उरांव, मुखिया नोगश्वरी हेम्ब्रम, मुखिया मंगल सिंह जामुदा सहित मुखिया, पंचायत सचिव, बीएफटी, रोजगार सेवक, जेएस, एलपीएस आदि कर्मी उपस्थित थे।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3			8				1
		7	4		1		5	
9				5		2		
		2			5		1	
3			2	1		5		
5	9			6				2
		6	5		2			
		9	6				2	7
					8		6	5

पिछले अंक का उत्तर

4	9	2	7	8	6	1	3	5
7	1	3	5	9	4	6	2	8
6	5	8	3	1	2	7	4	9
8	6	7	2	5	3	4	9	1
2	3	9	4	7	1	5	8	6
5	4	1	8	6	9	2	7	3
1	2	4	9	3	5	8	6	7
9	8	6	1	4	7	3	5	2
3	7	5	6	2	8	9	1	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

झारखंड के मात्र 2687 लोगों ने ली मरणोपरांत अंगदान की शपथ

रांची। किडनी, लिवर, हार्ट और फेफड़ों के प्रत्यारोपण के लिए हर साल झारखंड से 2500 से अधिक मरीज चेन्नई, हैदराबाद, समेत अन्य राज्य जाते हैं। बावजूद अंगदान जागरूकता में झारखंड देश के पिछड़े राज्यों में है। विश्व अंगदान दिवस पर सामने आए आंकड़ों के अनुसार, मरणोपरांत अंगदान का संकल्प लेने वालों की संख्या में झारखंड 21वें स्थान पर है।

राज्य में अब तक सिर्फ 2687 लोगों ने संकल्प लिया है। राजस्थान में यह संख्या 1,42,142 है। पड़ोसी राज्यों में ओडिशा 9561 (12वें), प. बंगाल 9215 (13वें) व बिहार 5292 (17वें) पर हैं। झारखंड में मृतक अंगदान व्यवस्था अभी शुरू नहीं हो सकी है।

4 को लाइसेंस, रिम्स में शुरू नहीं राज्य में 4 अस्पतालों को लाइसेंस जारी किया गया है, पर रिम्स में अब तक शुरुआत नहीं हो सकी है। केवल चार अस्पतालों के पास लिविंग किडनी ट्रांसप्लांट का लाइसेंस है।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 42 रन से हराया: अटल-जादरान में 231 रन की साझेदारी, 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

अफगानिस्तान ने बुधवार को बेलफास्ट में आयरलैंड पर 42 रन की जीत दर्ज की। टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का आखिरी मैच 15 अगस्त को बेलफास्ट में ही खेला जाएगा।

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 343 रन बनाए। सेदिकुल्लाह अटल ने 143 और इब्राहिम जादरान ने 107 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 48 ओवर में 301 रन पर ऑलआउट हो गई। एंडी बालबर्नी ने 109 और कर्टिस कैम्फर ने 84 रन बनाए।

अफगानिस्तान से यमीन अहमदजई ने 4 विकेट और राशिद खान ने 3 विकेट लिए। आयरलैंड के मैकडोनफ ने 3 और गेविन होई ने 2 विकेट चटकाए। अटल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

गुरबाज जल्दी आउट, अटल-जादरान ने पारी संभाली

अफगानिस्तान को शुरुआत में ही झटका लगा। पिछले मैच के टॉप स्कोरर रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे ओवर में आउट हो गए।

इसके बाद अटल और जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रन की साझेदारी करके पारी संभाली। यह वनडे में अफगानिस्तान के लिए इस विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

दोनों ने 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड करीन सादिक और मोहम्मद शहजाद के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 218 रन की साझेदारी की थी।

अटल ने अपने 25वें जन्मदिन पर शतक लगाया। उन्होंने पारी के बीच के ओवरों में समझदारी से बल्लेबाजी की और जब भी पारी धीमी पड़ने लगी, खासकर स्पिन के खिलाफ बाउंड्री लगाकर फिर से गति बढ़ाई।

अटल ने लगातार बाउंड्री लगाकर गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। वे 150 रन के करीब पहुंचते दिख रहे थे, लेकिन लॉन्ग ऑन पर गलत टाइमिंग वाले शॉर्ट पर आउट हो गए।

जादरान ने भी अटल का पूरा साथ दिया। उन्होंने वनडे करियर का 7वां शतक लगाया। जादरान की पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

आयरलैंड की शुरुआत धीमी रही

बड़े लक्ष्य के जवाब में आयरलैंड ने धीमी शुरुआत की। शुरुआती पहले 8 ओवर में टीम केवल 25 रन बना सकी।

यमीन अहमदजई और अजमतुल्लाह उमरजई ने शुरुआती स्पेल में स्विंग गेंदबाजी से आयरिश ओपनर्स को परेशान किया। पॉल स्टर्लिंग लगातार गेंदों से चूकते रहे, जबकि बालबर्नी ने संभलकर बल्लेबाजी की।

कैम्फर ने 46 गेंदों में 84 रन बनाए

मैच हाथ से निकलने के बाद कर्टिस कैम्फर ने टी-20 अंदाज में बैटिंग की। उन्होंने 46 गेंदों पर 84 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

कैम्फर ने सीधे बल्ले से तेज शॉट लगाकर रन बनाए। वे 48वें ओवर में आयरलैंड के नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। उनकी पारी से आयरलैंड 300 रन के पार पहुंच सका।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 150 अंक से ज्यादा टूटा, 77,800 पर कारोबार; निफ्टी भी 50 अंक नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार, 13 अगस्त को गिरावट का माहौल बना हुआ है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंक से ज्यादा गिरकर 77,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी 50 अंक से ज्यादा टूटकर 24,350 के स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में बैंकिंग और आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिल रही है।

भारतीय बाजार पर वैश्विक संकेतों का भी असर दिखाई दे रहा है। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 4.18% की तेजी के साथ 6,849 पर पहुंचा। जापान का निक्केई 1.61% बढ़कर 68,610 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 25,442 के स्तर पर लगभग सपाट रहा।

12 अगस्त को अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख देखने को मिला। डाउ जोन्स 22 अंक की मामूली गिरावट के साथ 53,770 पर बंद हुआ। हालांकि नैस्डैक 143 अंक बढ़कर 26,588 और एस-जेड 500 20 अंक की तेजी के साथ 7,749 पर पहुंचा। विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों में भारतीय शेयर बाजार में 1,711 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। हालांकि ताजा आंकड़ों में **FII/FPI** ने 1,003 करोड़ रुपये की बिकवाली की। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी **DII** ने हालिया सत्र में 5,842 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

इससे पहले 12 अगस्त को भी बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 188 अंक गिरकर 77,966 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 36 अंक की गिरावट के साथ 24,436 के स्तर पर बंद हुआ था।

चांदी 3,414 गिरकर 2.34 लाख किलो पर आई: सोना 972 सस्ता होकर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ, कैरेट के हिसाब से देखें कीमत

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 13 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 972 रुपए गिरकर 1.52 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 3,414 रुपए गिरकर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है।

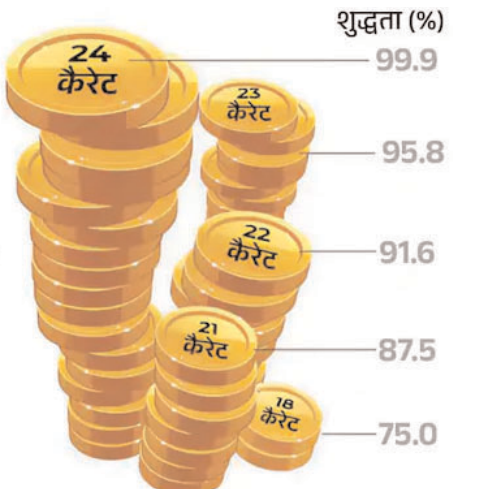

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- **AZ**4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भारत से पहले टेस्ट के लिए श्रीलंका स्क्वॉड का ऐलान:शनिवार से गॉल में पहला मुकाबला, धनंजय डी सिल्वा कप्तान और कमिंडू उपकप्तान होंगे

धनंजय डी सिल्वा टीम के कप्तान होंगे, जबकि कमिंडू मेंडिस को उपकप्तान बनाया गया है। धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंदु मेंडिस (उपकप्तान), लाहिरु उदाना, निशान मदुशका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवंथा, मिलान रत्नायके, असिता फर्नांडो, लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

डिकवेला की लंबे समय बाद टेस्ट टीम में वापसी

विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की वापसी हुई है। डिकवेला ने श्रीलंका के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला साल 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इस मुकाबले के बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे।

वहीं, पेस अटैक को मजबूत करने के इरादे से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की टीम में वापसी कराई गई है। मदुशंका ने अपना इकलौता टेस्ट मुकाबला साल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

सूरियाबंडारा के पास टेस्ट डेब्यू का मौका

युवा बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंडारा को पहली बार स्क्वॉड में शामिल किया गया है। सूरियाबंडारा को घरेलू क्रिकेट (डोमेस्टिक सर्किट) में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है।

भारत को 18 साल से नहीं हरा सका श्रीलंका

भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं।

श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। उसने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है।

बांग्लादेश से पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से डार्विन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया टीम 20 साल के बाद डार्विन में कोई टेस्ट मैच खेलने उतर रही है। पिछले 8 महीने में कंगारू टीम का यह पहला टेस्ट मुकाबला होगा।

स्कॉट बोलैंड को पहले टेस्ट से बाहर रखा गया है। टीम मैनेजमेंट ने पेस अटैक में जोश हेजलवुड को बोलैंड पर तरजीह दी है। कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क एक साल से ज्यादा समय के बाद पहली बार किसी मैच में एक साथ खेलते नजर आएंगे। एशेज सीरीज में हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर रहे स्पिनर नाथन लायन की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई है। बैटिंग ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर दोनों को टीम में जगह मिली है।

जैक वेदरल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), ब्यू वेबस्टर, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

डेविड मिलर ने किया अपने संन्यास की 'तारीख का ऐलान', वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतकर छोड़ देंगे क्रिकेट

भारत। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज डेविड मिलर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत कब करेंगे, इसको लेकर एक बड़ा बयान दिया है। मिलर आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतकर करियर का समापन करना चाहते हैं। यह वर्ल्ड कप दक्षिण अफ्रीका में ही खेला जाएगा। वनडे विश्व कप 2027 का आयोजन 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक कोई वर्ल्ड कप नहीं जीता है; साल 2023 में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। डेविड मिलर ने 'जियोस्टार' से कहा 'हां, मैं वास्तव में इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मेरे लिए, यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे मैं हासिल करना चाहता हूं। मैं अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर ट्रॉफी के साथ समापन करना पसंद करूंगा। इसलिए, मेरे लिए उस वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा बनना एक लक्ष्य है। इसकी कोई गारंटी नहीं होती, और मैं निश्चित रूप से, अभी से लेकर तब तक, उस टीम में जगह बनाने और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करूंगा। जाहिर है, अपने फैंस के सामने और उस जगह पर खेलना बहुत खास होगा जहां मैंने इतने वर्षों तक खेला है। इसलिए, उस टीम का हिस्सा बनना शानदार होगा।' मिलर ने 'द हंड्रेड 2026' में सदर्न ब्रेव के लिए आठ मुकाबलों में 166 रन बनाए, उन्होंने अपने लंबे करियर और शानदार तरीके से मैच खत्म करने की कला के बारे में कहा, 'शायद यह बात कि मैंने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करके और मैच खत्म करके अपना करियर बनाया है; यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे सबसे ज्यादा गर्व है। इसमें महारत हासिल करने में काफी समय लगता है। मैं अभी भी हर समय सीख रहा हूं, लेकिन कम से कम इस क्षेत्र में मेरा करियर लंबा रहा है, और मैंने विशेष रूप से लक्ष्य का पीछा करते हुए खेलने का बहुत आनंद लिया है।'

खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस फेडरेशन को सस्पेंड किया : मैनेजमेंट में खामियों का हवाला; भारतीय ओलिंपिक संघ की कमिटी देखरेख करेगी

भारतीय खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया को सस्पेंड कर दिया। बुधवार को मंत्रालय ने फेडरेशन में मैनेजमेंट और शासन व्यवस्था से जुड़ी खामियों को इसकी वजह बताया।

मंत्रालय ने भारतीय ओलिंपिक संघ को देशभर में टेबल टेनिस का एडमिनिस्ट्रेशन संभालने के लिए एक कमिटी बनाने का निर्देश दिया है। यह कमिटी **TTFI** में शासन व्यवस्था बहाल होने तक फेडरेशन के कामकाज की देखरेख करेगी।

समय पर चुनाव नहीं कराने पर कार्रवाई

मंत्रालय के मुताबिक, **TTFI** की मान्यता निलंबित करने की एक बड़ी वजह तय समय सीमा के भीतर फेडरेशन के चुनाव नहीं कराना है। इस मामले में मंत्रालय ने **TTFI** को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

फेडरेशन की ओर से नोटिस के जवाब में अपना पक्ष रखा गया था। हालांकि, मंत्रालय ने इस जवाब को असंतोषजनक पाया। इसके बाद ञ्ञ्स्नद्ब की मान्यता निलंबित करने का फैसला लिया गया।

फरवरी 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट ने फेडरेशन की एक्जीक्यूटिव कमेटी को सस्पेंड कर दिया था। यह कार्रवाई स्टार प्लेयर मनिका बत्रा की याचिका के बाद हुई थी। उन्होंने सेलेक्शन पॉलिसी को लेकर सवाल उठाए थे। फेडरेशन का काम संभालने के लिए कोर्ट ने एक एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया था। हालांकि इलेक्शन के बाद दिसंबर 2022 में सस्पेंशन हटा दिया गया।

मान्यता निलंबित किए जाने के बाद अब भारतीय ओलिंपिक संघ को टेबल टेनिस के प्रशासन की जिम्मेदारी संभालने के लिए कमिटी बनानी होगी। यह कमिटी तब तक काम करेगी, जब तक ञ्ञ्स्नद्ब में शासन व्यवस्था दोबारा स्थापित नहीं हो जाती।

मंत्रालय के इस फैसले का सीधा असर देश में टेबल टेनिस के प्रशासनिक कामकाज पर पड़ेगा। फिलहाल, फेडरेशन की मान्यता निलंबित रहने तक ढ्ढह्र की ओर से बनाई जाने वाली कमिटी इसकी देखरेख करेगी।

फेडरेशन के सस्पेंड होने से खिलाड़ियों के लिए को इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने में मुश्किल हो सकती है। हालांकि, भारतीय ओलिंपिक संघ (ढ्ढह्र) द्वारा गठित एड-हॉक कमिटी का मुख्य उद्देश्य खेल के प्रशासन को सुचारू रखना है ताकि खिलाड़ियों की भागीदारी प्रभावित न हो। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता और टूर्नामेंट्स में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं (जैसे ढ्ढञ्ञ्स्न) के साथ समन्वय जरूरी होता है।

मान्यता निलंबित होने के बाद फेडरेशन को मिलने वाली सरकारी फंडिंग रुक सकती है, क्योंकि फंड केवल मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही मिलता है।

खेल मंत्रालय की शक्तियां और अधिकार

खेल मंत्रालय के पास राष्ट्रीय खेल महासंघों मान्यता देने और उसे वापस लेने या निलंबित करने का अधिकार है। यह अधिकार मंत्रालय को तब मिलता है जब किसी फेडरेशन के आंतरिक कामकाज में गंभीर अनियमितताएं, कुप्रबंधन या शासन से जुड़ी खामियां पाई जाती हैं।

हरेली प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पशुधन के सम्मान और खेती-किसानी के गौरव का पर्व : सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है।

पारंपरिक वेशभूषा में पिंक ऑटो से पहुंचे मुख्यमंत्री

हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक श्रीमती संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हरेली के समय तक खेती के अनेक प्रमुख कार्य पूरे हो चुके होते हैं और किसान प्रकृति एवं अपने कृषि साधनों की पूजा कर अच्छे कृषि वर्ष की कामना करते हैं। यह परंपरा हमारे पुरखों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और सम्मान को दर्शाती है।

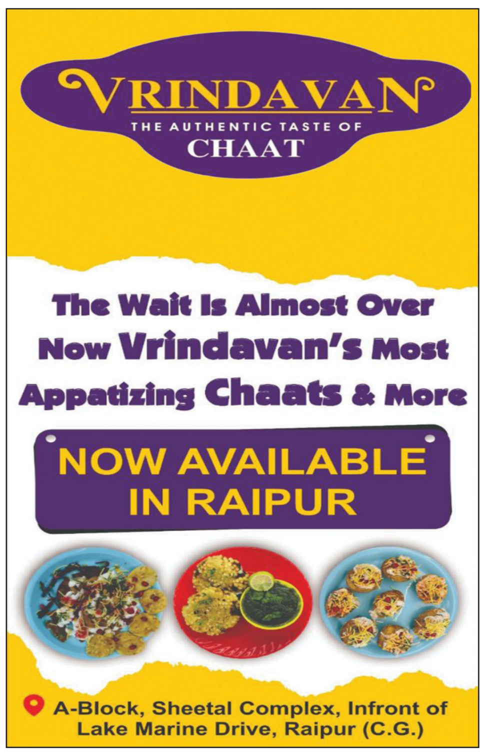

राष्ट्रपति भवन में गूंजेगी छत्तीसगढ राज्य के धमतरी जिले के नगरी की मांदर की थाप

स्वतंत्रता दिवस पर सरईटोला के कलाकार देंगे गुट्टा मांदर नृत्य की प्रस्तुति

राष्ट्रीय मंच पर दिखेगी छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी लोकसंस्कृति

रायपुर। 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी लोककला, संस्कृति और परंपराओं के लिए यह गौरव का क्षण है। छत्तीसगढ के जिले के नगरी विकासखंड की पारंपरिक लोककला की अनूठी छटा देखने को मिलेगी। ग्राम सरईटोला (गुडरापार) का सुप्रसिद्ध 'जय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल' राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गुट्टा मांदर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति देगा।

यह अवसर न केवल छत्तीसगढ सहित धमतरी जिले के लिए गौरव का विषय है। देश के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंच पर जिले के ग्रामीण अंचल के कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलना प्रदेश की लोक परंपराओं की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा।

सरईटोला का यह लोक नृत्य दल अपनी विशिष्ट गढ़वा नृत्य शैली, गुट्टा मांदर की ऊर्जावान प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के लिए जाना जाता है। दल के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज के लोकजीवन, परंपराओं, उत्सवों और सामुदायिक संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हैं। मांदर की थाप, पारंपरिक गीत और सामूहिक नृत्य की लय इस कला को विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

नृत्य की एक विशेष पहचान कलाकारों की रंग-बिरंगी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा भी है। पारंपरिक परिधान, आभूषण और साज-सज्जा नृत्य की सांस्कृतिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। यह लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकजीवन, सामुदायिक एकता और परंपराओं का संवाहक है। फसल कटाई, उत्सवों, मेलों तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक अवसरों पर इसका विशेष आयोजन किया जाता है। नागपुर सांस्कृतिक भवन द्वारा विशेष चयन। दल के सचिव रूपराय नेताम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि सांस्कृतिक भवन, नागपुर द्वारा दल की उत्कृष्ट प्रस्तुति और पारंपरिक कला की विशिष्टता को देखते हुए राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए चयन किया गया है।

अब राशन के लिए घंटों इंतजार नहीं, कुछ मिनटों में मिल रहा राशन

रायपुर। कभी राशन लेने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब सरकंडा में शुरू हुई 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' की नई व्यवस्था में राशन लेने की प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो रही है। तकनीक से जुड़ी इस पहल की शुरुआत के साथ ही हितग्राहियों को समय की बचत, सटीक तौल और पारदर्शी वितरण का अनुभव मिलने लगा है।

चिंगराजपारा निवासी हितग्राही प्रीति मानिकपुरी के लिए राशन लेने का अनुभव अब पहले से अलग है। वह बताती हैं कि अब लंबी लाइन में खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ता। मशीन के माध्यम से राशन मिलने से प्रक्रिया आसान हो गई है और तौल को लेकर भी किसी तरह की चिंता नहीं रहती। इसी तरह हितग्राही दुर्गेश कुमार यादव बताते हैं कि ग्रेन एटीएम में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद स्क्रीन पर उनकी पात्रता के अनुसार मिलने वाले राशन की मात्रा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पुष्टि करने के बाद डिस्पेंसर के नीचे थैला रखते ही निर्धारित मात्रा में चावल सीधे थैले में भर जाता है। उनके लिए यह अनुभव न केवल आसान है, बल्कि राशन की मात्रा को लेकर भरोसा भी बढ़ाता है।

ग्रेन एटीएम की संचालिका रिंकू सिंह ठाकुर बताती हैं कि नई व्यवस्था से राशन वितरण का काम अधिक व्यवस्थित हो रहा है। मशीन आधारित प्रक्रिया के कारण भीड़ को नियंत्रित करने, समय बचाने और निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने में सुविधा मिल रही है।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीक के उपयोग की दिशा में एक नई पहल है। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से लेकर स्क्रीन पर पात्रता की जानकारी और निर्धारित मात्रा में राशन के स्वचालित वितरण तक पूरी प्रक्रिया हितग्राही के सामने होती है। इससे वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूती मिलती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684